आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 23 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 229
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

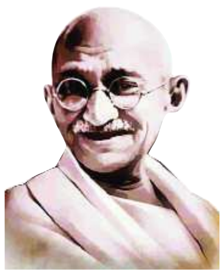
राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

नगर निगम ने कसा शिकंजा, अब ओटीपी से होगा नामांतरण

पेज-2

अनुपमा के जरिए महिलाओं के सम्मान की बात- निधि

पेज-5

एयरपोर्ट पर नया प्रवेश द्वार बनाने की प्रक्रिया शुरू

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- सरकार छात्रों की मांग को पूरी करे- प्रियंका गांधी
- PM मोदी के ऐलान पर बोली CJP- सबसे जरूरी है शिक्षा मंत्री का इस्तीफा
- 'युवाओं के भविष्य को सबसे अधिक नुकसान आपने पहुंचाया', PM मोदी के ऐलान पर राहुल गांधी का जवाब
- संभल हिंसा के मुख्य आरोपी मोहम्मद वारिस पर योगी सरकार ने रासुका के तहत लिया एक्शन
- पेपर लीक की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई, पीएम मोदी का बड़ा ऐलान
- ईरान पर हमले में पहली बार उतरा B-1 बॉम्बर, अमेरिका ने और घातक कर दी जंग
- पाकिस्तानी आवाम को बड़ा झटका, पेट्रोल और डीजल फिर हुआ महंगा
- ईरान: शालमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर अमेरिकी हवाई हमले में दो की मौत
- दिल्ली मेट्रो के 16 स्टेशन आज भी बंद, CJP के 'चलो संसद' प्रदर्शन के बीच DMRC का बड़ा फैसला
- असम: बाढ़ से एक दिन में 10 लोगों की मौत
- भारत और जिम्बाब्वे के बीच पहला टी20 आज खेला जाएगा

देर रात मिली मंजूरी, ब्रिज की सिंगल लेन पर दौड़ेंगे वाहन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • ब्रिज की एक लेन बुधवार से ही शुरू किए जाने की तैयारी थी, लेकिन कमिश्नर रेलवे सेफ्टी (CMRS) की अनापत्ति (NOC) नहीं मिलने के कारण उद्घाटन टालना पड़ा। देर रात करीब 10 बजे CMRS से मंजूरी मिलने के बाद ब्रिज के शुभारंभ का रास्ता साफ हुआ।

आईडीए ने उद्घाटन से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं। साफ-सफाई और अंतिम व्यवस्थाओं के दौरान दोनों ओर लगे बैरिकेड्स भी हटा दिए गए थे। इस दौरान कुछ दोपहिया वाहन ब्रिज से गुजर गए, लेकिन औपचारिक अनुमति नहीं होने के कारण यातायात तत्काल रोक दिया गया।

मेट्रो ट्रैक के ऊपर दौड़ेंगे वाहन

लवकुश डबल डेकर ब्रिज की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके ठीक नीचे इंदौर मेट्रो का ट्रैक है। यानी एक ही कॉरिडोर में ऊपर सड़क यातायात और नीचे मेट्रो का संचालन होगा। फिलहाल पहली लेन अरबिंदो अस्पताल से बाणगंगा की ओर जाने वाले वाहनों के लिए खोली जाएगी।

आगामी सिंहस्थ में इस पुल से यात्रियों को काफी लाभ होगा। 1454 मीटर लंबा यह पुल 6 लेन का है। 175 करोड़ रुपये की लागत से इस पुल का निर्माण किया गया है। यह प्रदेश का पहला डबल डेकर पुल है। इंदौर विकास प्राधिकरण ने इस पुल का निर्माण कराया है। इसे बनने में तीन साल का समय लगा। इस ब्रिज से हर दिन एक लाख से ज्यादा वाहन गुजरेंगे।

राजेश राजौरा को सुपरसीड कर वर्णवाल को ब्यूरोक्रेसी की कमान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • 1991 बैच के आईएएस अशोक वर्णवाल मध्यप्रदेश के नए और कुल 35वें मुख्य सचिव होंगे। सरकार ने बुधवार देर रात 1990 बैच के वरिष्ठ आईएएस डॉ. राजेश राजौरा को सुपरसीड करते हुए उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए। वर्णवाल गुरुवार को पदभार संभालेंगे। उनकी सेवानिवृत्ति जनवरी 2027 में है। वहीं, मौजूदा मुख्य सचिव और 1989 बैच के आईएएस अनुराग जैन को केंद्र सरकार ने नीति आयोग का सीईओ नियुक्त किया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने बुधवार शाम आदेश जारी किए। अनुराग का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।

सबसे ज्यादा चार साल सीएमओ में पीएस रहे वर्णवाल-वर्णवाल एक ऐसे अधिकारी हैं जो भाजपा सरकार में 20 नवंबर 2015 से 30 अप्रैल 2018 तक तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रमुख सचिव रहे। इसके बाद कांग्रेस की सरकार बनी तो डेढ़ साल तक तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ के प्रमुख सचिव रहे। दिल्ली प्रतिनियुक्ति के दौरान कमलनाथ के प्राइवेट सैक्रेटरी भी रहे।

आदेश से पहले ही वर्णवाल को सीएम हाउस ले गए अनुराग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जुलाई के पहले सप्ताह में ही नए सीएस के नाम पर मंथन शुरू कर दिया था। केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा के बाद वर्णवाल के नाम पर सहमति बनी। अनुराग जैन से भी राय ली गई। उन्होंने भी नाम का समर्थन किया।

तबादला सूची जल्द

वर्णवाल के पास स्वास्थ्य विभाग के एसीएस का जिम्मा था। अब वे सीएम से चर्चा करके तय करेंगे कि स्वास्थ्य का जिम्मा किसे दिया जाए। जल्द आईएएस के फेरबदल की सूची जारी हो सकती है।

राजौरा तीसरी बार चूके, मंत्रालय से बाहर जाएंगे

डॉ. राजेश राजौरा लगातार तीसरी बार मुख्य सचिव नहीं बन सके। सितंबर 2024 में अनुराग जैन की सीएस पद पर नियुक्ति और अगस्त 2025 में एक साल के एक्सटेंशन के समय भी राजौरा ही प्रमुख दावेदार थे। इस बार भी उनका नाम सबसे आगे माना जा रहा था। राजौरा मई 2027 में सेवानिवृत्त होंगे। उनसे जूनियर वर्णवाल के सीएस बनने के बाद अब उनकी मंत्रालय से बाहर पोस्टिंग की संभावना है। उन्हें प्रशासन अकादमी का महानिदेशक, माध्यमिक शिक्षा मंडल या कर्मचारी चयन मंडल का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

एक दिन पहले खाया भुट्टा... आ गया नीति आयोग का बुलावा

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाए जाने की खबर है... केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा मध्यप्रदेश भेजे गए श्री जैन को नई जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रदेश में नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट तेज हो गई... अब राज्य सरकार शीघ्र ही नए मुख्य सचिव के नाम की घोषणा भी कर सकती है... बता दें कि मंगलवार को ही श्री जैन भी अन्य आला अधिकारियों के साथ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा रखी गई भुट्टा पार्टी में शामिल हुए थे और उन्होंने भी भुट्टे का आनंद लिया... यह भी बता दें जब श्री जैन मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त होकर मध्यप्रदेश आए थे, उस वक्त भी वे मीडिया की सुर्खियों में रहे..!

स्टूडेंट कॉरिडोर गूंजा न्याय की मांग से, आज न्याय यात्रा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर का सबसे बड़ा स्टूडेंट हब भंवरकुआं इन दिनों पढ़ाई के शोर से नहीं, बल्कि इंसाफ की मांगों से गूंज रहा है। हृश्वश्वञ्ज पेपर लीक मामले को लेकर 30 जून को कुछ छात्रों से शुरू हुआ प्रदर्शन अब 24वें दिन एक विशाल जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

तांत्या भील चौराहे पर बुधवार को 5,000 से ज्यादा छात्र, कोचिंग शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय नागरिक एक साथ धरने पर बैठ गए। बारिश की बौछारों के बीच भी युवाओं का हौसला कम नहीं हुआ और छात्र भंवरकुआं फ्लाईओवर के नीचे बैनर-पोस्टर लेकर नारेबाजी करते रहे। बुधवार सुबह से लेकर देर रात तक तांत्या भील चौराहे पर 'न्याय दो' और 'पेपर लीक के दोषियों को सजा दो' के नारे गूंजते रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों की मुख्य मांगें हैं- नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड्स पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई हो और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा दें। रात में जैसे ही एक जत्था आराम करने जाता, दूसरा ग्रुप माइक संभाल लेता। स्थिति यह रही कि देर रात तक शहर के अलग-अलग हिस्सों से लोग छात्रों को समर्थन देने भंवरकुआं पहुंचते रहे। कहां हो रहा प्रदर्शन: तांत्या भील चौराहा, भंवरकुआं (इंदौर का कोचिंग हब)।

23 जुलाई को निकलेगी 'युवा न्याय यात्रा'

आंदोलनकारियों ने अब अपने विरोध को और धार देने के लिए 23 जुलाई को भंवरकुआं से 'युवा न्याय यात्रा' निकालने की घोषणा की है। इस यात्रा का मकसद इंदौर और आसपास के जिलों के आम नागरिकों को जोड़ना है ताकि परीक्षा तंत्र की साख बचाई जा सके। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी मंगलवार देर रात धरना स्थल पहुंचकर छात्रों से मुलाकात की और उनकी मांगों को जायज ठहराते हुए समर्थन का ऐलान किया।

सोने-चांदी का शौकीन निकला बिजली कंपनी का अफसर

संपत्ति का आंकड़ा 16 करोड़ तक पहुंचा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में अधीक्षण यंत्री के पद पर पदस्थ शिवराम सेमिल सोने-चांदी का शौकीन भी निकला। लोकायुक्त के छापे में उसके पास से 300 ग्राम सोना और 4 किलो चांदी भी मिली है। उसकी संपत्ति का आंकड़ा बढ़कर 17 करोड़ रुपये हो चुका है, जो अब तक के उसके सेवाकाल में मिले वेतन से 600 गुना ज्यादा है।

सेमिल के खिलाफ लोकायुक्त द्वारा केस दर्ज किए जाने के बाद बिजली कंपनी भी उसके खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। लोकायुक्त अधिकारियों ने आयकर विभाग और सेबी से भी सेमिल की कंपनियों व संपत्ति से जुड़ी जानकारी मांगी है। सेमिल व उसके परिवार के बैंक खातों को भी फ्रीज करने के लिए गुरुवार को अधिकारी बैंकों को पत्र लिखेंगे। सेमिल के बेटों की शुभम इलेक्ट्रिकल और कर्निश पावर जोन नाम की कंपनियां हैं, जो बिजली उपकरणों से जुड़ी हैं। सूत्रों के अनुसार, वह बिजली कंपनी के ठेकेदारों पर दबाव बनाता था कि वे उसकी कंपनियों से ही सामान खरीदें। इससे कंपनियों को मोटा मुनाफा होता था।

किसी की पार्षदी खत्म, किसी को हाईकोर्ट से राहत...

आधा दर्जन निगम के पार्षद कोर्ट के घेरे में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम परिषद का कार्यकाल अब अंतिम वर्ष में पहुंच चुका है, लेकिन परिषद की पहचान इन दिनों विकास कार्यों से ज्यादा कोर्ट-कचहरी और कानूनी विवादों से बनती नजर आ रही है। चार साल के कार्यकाल में एक के बाद एक पार्षदों के कानूनी मामलों में उलझने से परिषद की सियासत पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

किसी पार्षद की सदस्यता समाप्त हो गई, किसी को हाईकोर्ट से राहत मिली तो कोई गंभीर विवाद के चलते अदालत की चौखट पर है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इंदौर नगर निगम के इतिहास में शायद यह पहला ऐसा कार्यकाल है, जिसमें आधा दर्जन पार्षद अलग-अलग मामलों में कानूनी पचड़े में फंसे दिखाई दिए।

गैस पाइपलाइन ब्लास्ट ने बढ़ाई मुश्किल-इसी बीच अवंतिका गैस पाइपलाइन ब्लास्ट मामले में भाजपा पार्षद बालमुकुंद सोनी का नाम आरोपी के रूप में सामने आने से परिषद एक और कानूनी विवाद में घिर गई।

विकास से ज्यादा अदालतों में चर्चा!

परिषद का अंतिम वर्ष शुरू हो चुका है, लेकिन अब सवाल यह है कि यह कार्यकाल विकास कार्यों के लिए याद किया जाएगा या फिर पार्षदों की सदस्यता समाप्त होने, हाईकोर्ट से राहत मिलने और अदालतों में चल रहे मामलों के लिए?

अब निगाहें इस बात पर हैं कि नगर निगम चुनाव से पहले इन मामलों का क्या नतीजा निकलता है और कानूनी विवादों में घिरे पार्षदों के राजनीतिक भविष्य पर इसका कितना असर पड़ता है।

देवलिया की पार्षदी गई, हाईकोर्ट से वापस मिली

सबसे पहले भाजपा पार्षद निशा रूपेश देवलिया की सदस्यता समाप्त होने का मामला सामने आया। उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां से उन्हें राहत मिली और पार्षदी बहाल हो गई। इस मामले ने साफ कर दिया कि कानूनी विवाद किसी जनप्रतिनिधि के राजनीतिक भविष्य को भी प्रभावित कर सकता है।

कादरी के बाद अंसारी की सदस्यता समाप्त

इसके बाद कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी की पार्षदी समाप्त होने का मामला सामने आया। अब हाल ही में सुनहरा अंसाफ अंसारी की सदस्यता समाप्त करने के आदेश ने परिषद को फिर कटघरे में खड़ा कर दिया है। लगातार पार्षदों की सदस्यता पर कार्रवाई ने निगम की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है।

वंदे मातरम् विवाद में दो पार्षद अदालत में

नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम् गान को लेकर हुआ विवाद भी देशभर में चर्चा का विषय बना था। इस मामले में कांग्रेस की वरिष्ठ पार्षद और पूर्व नेता प्रतिपक्ष फौजिया शेख अलीम तथा कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ। दोनों का मामला अभी न्यायालय में लंबित है।

सुस्त निराकरण | जनसुनवाई में कलेक्टर सुन रहे फरियाद, अफसर फाइलों में दबा रहे शिकायतें

कलेक्टर के निर्देश, अफसर की फाईलों में कैद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जनता की शिकायतें सुनने कलेक्टर हर मंगलवार घंटों जनसुनवाई में बैठते हैं। मौके पर अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश भी देते हैं, लेकिन उनके मातहत अफसर कलेक्टर के आदेशों को ही ठेंगा दिखाते नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि जनसुनवाई में शिकायतों का अंबार बढ़ रहा है और निराकरण की रफ्तार सुस्त है।

कलेक्टर शिवम वर्मा के कार्यकाल में 12,227 शिकायतें पहुंचीं, लेकिन इनमें से 8,832 पर अब तक जवाब तक दर्ज नहीं हुआ। सिर्फ 2,978 मामलों में जवाब दिया गया। हर मंगलवार करीब 350 शिकायतें पहुंच रही हैं और 30 से ज्यादा अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं, फिर भी फरियादियों को समाधान के लिए बार-बार कलेक्टर कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। आंकड़े तो अफसरों की कार्यशैली की पोल खोल रहे हैं। एसडीएम सांवेर की 564 शिकायतों में एक भी जवाब दर्ज नहीं हुआ। नगर निगम की 1,732 में से 1,293 शिकायतें लंबित हैं। पुलिस में एडीसीपी जोन-4 की 479, जोन-3 की 380 और ग्रामीण एसपी की 336 शिकायतों पर शून्य कार्रवाई दर्ज है। 17 विभाग ऐसे हैं, जिन्होंने एक भी शिकायत का जवाब देना जरूरी नहीं समझा।

अधिकारी भले ही लंबित शिकायतों के पीछे तकनीकी कारण और शासन स्तर पर लंबित मामलों का हवाला दें, लेकिन सवाल यह है कि कलेक्टर के निर्देश के बाद भी यदि शिकायतों पर जवाब तक दर्ज नहीं हो रहा तो फिर जिम्मेदारी किसकी है?

कलेक्टर जनता के बीच बैठकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन मातहत अफसर उनकी मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। अब जरूरत जनसुनवाई की नहीं, बल्कि उन अफसरों की जवाबदेही तय करने की है, जो शिकायतों को फाइलों में दफन कर रहे

जनसुनवाई में कलेक्टर कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश देते हैं। फरियादियों को भी भरोसा रहता है कि अब उनकी समस्या का समाधान हो जाएगा। लेकिन इसके बाद कई शिकायतें विभागीय स्तर पर पहुंचकर फाइलों में दब जाती हैं। नतीजा यह कि अगली जनसुनवाई में फिर वही फरियादी अपनी पुरानी शिकायत लेकर पहुंच जाता है। यह स्थिति सीधे तौर पर बताती है कि समस्या जनसुनवाई में नहीं, उसके बाद होने वाली कार्रवाई में है। कलेक्टर जनता के बीच बैठकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन कई मातहत अधिकारी उनके निर्देशों को अमलीजामा पहनाने में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बायर ने छोटे किसानों के लिए अगली पीढ़ी का कीटनाशक ट्रांस लॉन्च

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बायर ने आज अपने नए कीटनाशक ट्रांस को लॉन्च करने की घोषणा की है। इसे कपास की फसल में माहू (एफिड), जैसिड (हरा फुदका) और सफेद मक्खी के निम्फ (शुरुआती अवस्था वाली सफेद मक्खी) जैसे रस चूसने वाले कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए विकसित किया गया है, जिससे किसानों को बेहतर फसल सुरक्षा मिल सके। दो परस्पर पूरक कार्यप्रणालियों को एक ही उत्पाद में शामिल करने वाला ट्रांस व्यापक स्तर पर कीट नियंत्रण प्रदान करता है। साथ ही, यह फसलों को अधिक स्वस्थ बनाए रखने, उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की लाभप्रदता में सुधार करने में भी मदद करता है।

नमी के मौसम में तेजी से पनप रहे बैक्टीरिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ अमित सोलंकी ने बताया की मानसून में आंखों को स्वस्थ रखने के लिए सबसे बुनियादी और महत्वपूर्ण नियम है स्वच्छता बनाए रखना। बारिश के पानी में सीधे भीगने से बचें, क्योंकि हवा में मौजूद प्रदूषक और रसायन बारिश के पानी के साथ आंखों में जलन और इंफेक्शन पैदा कर सकते हैं। अगर आप बारिश में भीग जाते हैं, तो तुरंत साफ और हल्के गुनगुने पानी से आंखों को धीरे-धीरे धोएं और साफ तौलिए का इस्तेमाल करें। गंदे या बिना धोए हाथों से आंखों को बार-बार छूना या रगड़ना मानसून में संक्रमण की मुख्य वजह बनता है। हाथों में मौजूद रोगाणु आंखों के संपर्क में आते ही कॉर्निया और कंजंक्टिवा को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, यदि परिवार में किसी सदस्य को आंखों में इंफेक्शन हो गया हो, तो उनका तौलिया, तकिया और निजी सामान अलग रखें ताकि यह एक-दूसरे में न फैले।

माँ कनकेश्वरी देवी शास. महाविद्यालय में राष्ट्रीय तिरंगा अंगीकार दिवस मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● माँ कनकेश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय इंदौर में 22 जुलाई को राष्ट्रध्वज अंगीकरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्रध्वज के इतिहास, महत्व एवं सम्मान से जुड़े नियमों की जानकारी दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर डॉ. संजय सोहनी ने कहा कि 'राष्ट्रध्वज का सम्मान प्रत्येक नागरिक का प्रथम कर्तव्य है।' उन्होंने बताया कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार किया था। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं उसके सही उपयोग के नियमों का पालन करने का आग्रह किया तथा बताया कि क्षतिग्रस्त या अमानक राष्ट्रध्वज का उपयोग करना अनुचित एवं दंडनीय है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. निशांत मिश्रा ने राष्ट्रध्वज के निर्माण एवं अंगीकरण की ऐतिहासिक प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का प्रतीक हमारा तिरंगा राष्ट्रीय एकता, गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है।

दोषी कर्मचारियों के साथ बाहरी लोगों पर भी होगी एफआईआर

नगर निगम ने कसा शिकंजा, अब ओटीपी से होगा नामांतरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम के बहुचर्चित नामांतरण घोटाले में अब जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। करोड़ों रुपए की संपत्तियों के रिकॉर्ड में हुई कथित हेराफेरी के बाद निगम प्रशासन ने न सिर्फ राजस्व विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है, बल्कि भविष्य में ऐसी धोखाधड़ी रोकने के लिए नामांतरण प्रक्रिया में पहली बार ओटीपी आधारित सत्यापन प्रणाली भी लागू कर दी है।

निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने स्पष्ट कर दिया है कि जांच पूरी होते ही दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और इस पूरे खेल में शामिल बाहरी लोगों के खिलाफ

एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जांच में अब तक सामने आया है कि कई नामांतरण अधिकारियों की लॉग-इन आईडी का उपयोग कर देर रात ऑनलाइन किए गए थे। इस कारण जांच को तकनीकी स्तर तक ले जाया गया है।

आईटी एक्सपर्ट भी जुटे- मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन के दो आईटी विशेषज्ञ जांच समिति के साथ जुड़े हैं, जो यह पता लगाएंगे कि अधिकारियों की आईडी का इस्तेमाल किसने किया, सिस्टम में किस तरह प्रवेश मिला और फर्जी नामांतरण कैसे किए गए। निगम के अनुसार अब तक 375 संपत्तियों के रिकॉर्ड में की गई गड़बड़ियों को सुधारने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिन संपत्तियों के मूल मालिकों के नाम हटाकर दूसरे नाम दर्ज किए गए थे, उन्हें फिर से बहाल किया जा रहा है। वहीं जिन संपत्तियों का नामांतरण कर आगे बिक्री भी कर दी गई, उनके रिकॉर्ड की भी अलग से जांच की जा रही है। संबंधित लोगों से पूछताछ जारी है, हालांकि अधिकांश लोगों का कहना है कि उन्हें स्वयं इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनके नाम पर संपत्ति कब और कैसे दर्ज हो गई।

प्रक्रिया में किया बदलाव- इस पूरे मामले के बाद निगम ने नामांतरण प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए ओटीपी सिस्टम लागू कर दिया है। अब किसी भी संपत्ति का नामांतरण तभी आगे बढ़ सकेगा, जब पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी का सत्यापन होगा। इससे किसी की आईडी या दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी नामांतरण करना लगभग असंभव हो जाएगा।

निगम का मानना : प्रशासनिक लापरवाही नहीं

नगर निगम का मानना है कि यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि सुनियोजित साजिश भी हो सकती है। इसलिए जांच को अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने दो टूक कहा है कि जांच में जो भी अधिकारी, कर्मचारी या बाहरी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ न केवल एफआईआर दर्ज होगी, बल्कि विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। इस घोटाले ने शहर के हजारों संपत्ति मालिकों में अपनी संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जरूर बढ़ा दी है, लेकिन निगम का दावा है कि नई व्यवस्था के बाद भविष्य में इस तरह की हेराफेरी पर प्रभावी रोक लग सकेगी।

51 लाख पौधों के ऑक्सीजन वन के लिए कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बना रिकॉर्ड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पर्यावरण संरक्षण एवं 51 लाख पौधों के रोपण से देश के सबसे बड़े शहरी ऑक्सीजन वनों में से एक के निर्माण में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कर 'मान्यता प्रमाण-पत्र' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान परम पूज्य अनुष्ठान आराधिका डॉ. कुमुद लताजी म.सा. के पावन सानिध्य में प्रदान किया गया।

विजयवर्गीय की अनुपस्थिति में उनके पुत्र एवं पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने सम्मान-पत्र ग्रहण किया। सम्मान डिपिन जैन, अचल चौधरी, रमेश भंडारी, वीरेंद्र कुमार जैन, प्रकाश भटेवरा एवं विवेक जैन द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. कुमुद लताजी म.सा. ने कहा कि 51 लाख पौधों का यह अभियान आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण देने का प्रेरणादायी संकल्प है। समारोह में देशभर से आए अतिथियों ने कैलाश विजयवर्गीय के पर्यावरण संरक्षण के प्रति योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन जिनेश्वर जैन ने किया।

24 को सीडीजीआई, इंदौर में होगा मध्य भारत का भव्य मेगा जॉब फेयर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर। मध्य भारत के प्रतिष्ठित NAAC + एवं ह्क्ष मान्यता प्राप्त Chameli Devi Group of Institutions (CDGI), ग्राम उमरीखेड़ा, खंडवा रोड, इंदौर में 24 जुलाई 2026 को एक भव्य Mega Job Fair का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार महाआयोजन में देश की 75+ प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियां भाग लेंगी, जो IT, Engineering, Real Estate, Pharma, Banking, Marketing सहित विभिन्न क्षेत्रों में फ्रेशर्स एवं अनुभवी अभ्यर्थियों के लिए सभी स्तरों (Entry Level, Mid Level and Senior Level) पर 1000+ से अधिक रोजगार अवसर प्रदान करेंगी। संस्थान के प्राचार्य डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि यह आयोजन पूर्णत: नि:शुल्क है।

दादू महाराज संस्थान का गुरु पूर्णिमा उत्सव गांधी हॉल में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ दादू महाराज संस्थान के तत्वावधान में आगामी 29 जुलाई, बुधवार को गांधी हॉल में भव्य 'गुरु पूर्णिमा उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य धार्मिक और सामाजिक समागम में मध्य प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, देवास, भोपाल सहित महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और शिष्य शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर व्यापक स्तर पर रूपरेखा तैयार की जा रही है।

संस्थान से जुड़े मनोज हार्डिया ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर संस्थान द्वारा कई महत्वपूर्ण सामाजिक और धार्मिक संकल्प लिए जाएंगे , इस वर्ष गुरु पूर्णिमा उत्सव के मंच से संस्थान द्वारा

श्रीमद् भगवत गीता जी का व्यापक वितरण, पर्यावरण संरक्षण के तहत बड़े पैमाने पर पौधों का वितरण, मानवता की सेवा के लिए रक्तदान एवं नेत्रदान का महा-संकल्प व समाज के वंचित वर्ग के लिए नि:शुल्क कन्या विवाह कराने का संकल्प लिया जाएगा।

गांधी हॉल में आयोजित होने वाला यह उत्सव सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न सत्रों में संपन्न होगा।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा अमानक खाद्य सामग्री के विरूद्ध सघन कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों तथा विद्यालयों की मेस एवं कैंटीनों में अमानक खाद्य सामग्री के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों से 17 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए तथा लगभग 1 लाख 35 हजार रुपये मूल्य का 208 किलोग्राम संदिग्ध घी जब्त किया गया। बताया गया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल ने हिम्मतनगर पालदा स्थित श्रीनाथ एजेंसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर लस्सी एवं छाछ का निर्माण, पैकेजिंग एवं विक्रय किया जाना पाया गया।

फर्जी वकील मामले में जिला बार ने थाने पर दर्ज कराई शिकायत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला कोर्ट परिसर में कुछ फर्जी वकीलों के कथित तौर पर सक्रिय रहने के मामले में इंदौर अभिभाषक संघ ने पहली शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है।

जिला बार की नई कार्यकारिणी ने पदभार संभालने के बाद ही उक्त मामले को लेकर मुहिम शुरू कर दी थी और सार्वजनिक अपील की थी कि यदि कोई वकील ना होते हुए खुद को वकील बताकर धोखाधड़ी करे तो उसकी शिकायत जिला बार में करें। अध्यक्ष राकेश पाल एवं सचिव धर्मेंद्र गुर्जर ने बताया कि सुनील रघुवंशी नामक एक व्यक्ति द्वारा संध्या वर्मा नामक महिला द्वारा खुद को वकील बताकर उसके साथ धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत शपथ पत्र पर की। प्रारंभिक तौर पर जिला बार द्वारा इसकी क्षणबीन करने पर उक्त महिला के वकील होने संबंधित प्रमाण नहीं मिलने पर कार्यकारिणी ने निर्णय लिया कि इसकी शिकायत पुलिस में की जाए। इसके चलते एमजी रोड थाने पर बार के लेटरहेड पर उक्त महिला की शिकायत दर्ज कराकर मामले की जांच एवं उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

अब फर्जी नोटरियो को पकड़ेंगे-बार अध्यक्ष पाल ने कहा कि जिला कोर्ट के आसपास के साथ ही शहर के कई इलाकों में फर्जी नोटरी किए जाने की शिकायतें भी बार को मिली है। ऐसे तत्वों के विरुद्ध भी मुहिम चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर। आज सुबह भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने शहीद चंद्रशेकर आजाद की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कअप, स्किन और नेल आर्टिस्ट्स ने दिखाया हुनर, सस्टेनेबिलिटी फैशन शो रहा आकर्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फीनिक्स सिटाडेल मॉल में तीन दिनों तक चले नेशनल आर्टिस्ट्स चैम्पियनशिप 2026 का समापन हुआ। अंतिम दिन मेकअप, स्किन और नेल आर्ट से जुड़ी प्रतियोगिताओं में देशभर से आए प्रतिभागियों ने अपनी तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। पूरे दिन प्रतियोगिताओं, इंटरैक्टिव सेशन और फैशन शो के जरिए ब्यूटी और वेलनेस इंडस्ट्री के नए ट्रेंड्स देखने को मिले। चैम्पियनशिप के तीसरे दिन ब्राइडल मेकअप, रेड कार्पेट लुक, रैंप मेकअप, फैंटेसी मेकअप और बॉडी पेंटिंग जैसी विभिन्न कैटेगरी में लाइव प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। देशभर से आए मेकअप आर्टिस्ट्स और स्किन एक्सपर्ट्स ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया, जबकि विशेषज्ञ जजों ने प्रतिभागियों की तकनीक, रचनात्मकता और प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।

'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान को प्रदेशभर में मिल रहा जनसमर्थन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में संचालित 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के सातवें दिवस मध्यप्रदेश पुलिस ने जनभागीदारी के साथ व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, औद्योगिक इकाइयों, धार्मिक स्थलों, हाट-बाजारों, बस स्टैंडों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों से संवाद कर नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया।

मुंह बोले मामा ने ही उजाड़ दिया भांजे का घर, शराब पिलाकर चाकू से की हत्या

दैनिक इंदौर संकेत

पीथमपुर ● औद्योगिक नगरी पीथमपुर के थाना सेक्टर-1 क्षेत्र में सांवरिया मंदिर के पास नाले में मिले 35 वर्षीय आत्माराम राठौड़ की हत्या के मामले में पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि जिस व्यक्ति को आत्माराम अपना मुंह बोला मामा मानता था, उसी ने विश्वास का गला घोंटते हुए शराब पिलाकर पहले उसे मौत के घाट उतार दिया।

हत्या के बाद आरोपी ने शव को नाले में फेंककर इसे छिपाने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार सांवरिया मंदिर के समीप नाले के किनारे आत्माराम का शव मिला था। सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-1 पुलिस एवं एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। इसी दौरान पता चला कि मृतक का मुंह बोला मामा लेखराज घटना के बाद से लापता है। संदेह के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

नाले के पास फेंक दिया था शव

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे शक था कि आत्माराम ने उसकी दूसरी पत्नी के कान भरकर उसे अपने से अलग कर दिया था। इसी रंजिश के चलते उसने आत्माराम को शराब पीने के बहाने बुलाया। नशे की हालत में पहले डंडे से हमला किया, फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को सांवरिया मंदिर के पास नाले में फेंककर फरार हो गया।

इंदौर। बुधवार को इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में 'छात्रों की गूंज : निष्पक्ष परीक्षाओं के लिए कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन' विषय पर कांग्रेस के पूर्व मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष, मध्यप्रदेश विधानसभा सुश्री हिना क़वारे व शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे मौजूद थे।

1.82 लाख से ज्यादा नए बिजली कनेक्शन दिए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पिछले बारह माह के दौरान 1.82 लाख से अधिक नए बिजली कनेक्शन जारी किए गए है। यह पिछले वर्ष से करीब नौ प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि इंदौर राजस्व संभाग में करीब 1.10 लाख कनेक्शन जारी हुए है। इंदौर जिले में 55 हजार से अधिक कनेक्शन जारी हुए है। उज्जैन जिले में 16600 कनेक्शन जारी हुए हैं। रतलाम जिले में 11600 कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। देवास जिले में 10110 कनेक्शन जारी किए गए हैं। ये कनेक्शन मागं के अनुरूप ऑन लाइन एवं ऑफ लाइन दोनों प्रकार से जारी किए गए हैं। उपभोक्ता रजिस्ट्री समेत अन्य वैध दस्तावेज अटैच कर व निर्धारित शुल्क का ऑन लाइन भुगतान कर ऑन लाइन नए सर्विस कनेक्शन भी प्राप्त कर सकता है।

ऊर्जस एप से बिजली आपूर्ति की 166 शिकायतें हल

इंदौर। मप् पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ऊर्जस एप की मदद से मौसमी कारण से विद्युत अवरोध होने पर उपभोक्ता समय पर सुधार कार्य कराने में आसानी महसूस कर रहे हैं। पिछले चौबीस घंटे के दौरान विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र में 166 उपभोक्ताओं ने आपूर्ति संबंधी शिकायतों का समय पर समाधान कराया। इसमें इंदौर शहर के 112, उज्जैन जिले के 15, देवास के 5, खरगोन के 4 उपभोक्ता प्रमुख रूप से शामिल हैं। ऊर्जस एप पर शिकायतें दर्ज होने के तुरंत बाद केंद्रीयकृत कॉल सेंटर 1912 की टीम को संबंधित प्रकरण विशेष का डाटा पहुंच जाता हैं, सेंटर से इसकी सूचना त्वरित रूप से मैदानी सुधार अमले को भेज दी जाती हैं। आपूर्ति सुधार होने के बाद संबंधित शिकायतकर्ता उपभोक्ता से सुधार होने संबंधी पुष्टि भी प्रभावी रूप से की जाती है।

खजराना गणेश मंदिर के जीर्णोद्धार में निकला श्री गणेश यंत्र

श्री गणेश यंत्र के दर्शन के लिए भक्तों में लगी होड़

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हिन्दू धर्म और वास्तु शास्त्र में गणेश यंत्र का अत्यधिक महत्व है। भगवान गणेश को 'विघ्नहर्ता' (बाधाएं दूर करने वाले) और 'प्रथम पूज्य' माना जाता है। गणेश यंत्र इस दिव्य ऊर्जा का एक ज्यामितीय रूप है। इसे घर या कार्यस्थल पर स्थापित करने से जीवन में सकारात्मकता, सफलता और बुद्धि की प्राप्ति होती है।गणेश यंत्र के मुख्य लाभ और कई महत्व हैं यह बाधाओं का निवारण करता है यह यंत्र आपके कार्यक्षेत्र या जीवन में आने वाली सभी प्रकार की अड़चनों और परेशानियों को दूर करने में मदद करता है। बुद्धि और ज्ञान के दाता भगवान गणेश छात्रों और शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए यह यंत्र एकाग्रता और ज्ञान बढ़ाता है।नकारात्मक ऊर्जा का नाश

करता है। यह स्थान विशेष के वास्तु दोषों को कम करके बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखता है। इसे बुधवार या गणेश चतुर्थी के दिन शुभ मुहूर्त में स्थापित करना सबसे उत्तम माना जाता है। तांबे या अन्य धातु से बने यंत्र को गंगाजल से शुद्ध करें। इसे पूजा स्थल में पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखा जाता है। इन दिनों खजराना गणेश मंदिर के द्वार चौड़ीकरण और जीणोद्धार कार्य में एक बार फिर से यहां स्थापित गणेश यंत्र सामने आया है। द्वार चौड़ा किए जाने के बाद से भक्तों को आसानी से गणेश यंत्र के दर्शन हो रहे हैं। इस गणेश यंत्र के दर्शन का विशेष महत्व है।

होटल मैनेजमेंट में करियर बनाने का सुनहरा अवसर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पर्यटन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत संचालित एवं राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं केटरिंग टेक्नोलॉजी परिषद, नोएडा से संबद्ध राज्य होटल प्रबंधन संस्थान (एसआईएचएम), इंदौर द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रवेश अभियान प्रारंभ किया गया है। एम.पी.एस.टी.डी.सी. छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

संस्थान द्वारा बताया गया है कि छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को होटल मैनेजमेंट की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आर्थिक कारणों से किसी भी विद्यार्थी की शिक्षा प्रभावित न हो। बताया गया कि डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में फूड प्रोडक्शन, फूड एंड बेवरेज सर्विस, फ्रंट ऑफिस तथा बेकरी एंड कन्फेक्शनरी जैसे विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पात्र विद्यार्थियों को शासन की ओर से नि:शुल्क यूनिफॉर्म सहित अन्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10+2 उत्तीर्ण निर्धारित है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, गुरुवार 23 जुलाई 2026

मानसून सत्र : सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच चला सियासी टकराव और नोकझोंक...

भोपाल (एजेंसी) ●मप्र विधानसभा का पांच दिनी मानसून सत्र बुधवार को तीन दिन में ही समाप्त हो गया। इस दौरान सरकार की ओर से रिकॉर्ड 15 विधेयक पेश कर पारित कराए गए। अंतिम दिन अनुपूरक बिल के अलावा 6 अहम संशोधन विधेयक पास किए गए। हालांकि सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच पूरे तीन दिन के दौरान तीखी नोक-झोंक और राजनीतिक टकराव हुआ। जबलपुर स्थित मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर बहस के दौरान जबलपुर के विधायक खफा नजर आए। कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने सरकार के फैसले पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि 15 साल पुरानी मेडिकल यूनिवर्सिटी को बांटने की आखिर क्या जरूरत है? घनघोरिया ने इसे जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र की उपेक्षा और मेडिकल विशेषज्ञों का अपमान बताया। कांग्रेस के ही विधायक महेश परमार ने उज्जैन में मेडिकल यूनिवर्सिटी खोलने का समर्थन किया। घनघोरिया ने सवाल उठाया कि कोई दिक्कत या कोई परेशानी है, क्या इस बंटवारे पर मेडिकल एक्सपर्ट और छात्रों से कोई राय ली गई है? क्या सरकार सिर्फ

इसलिए विश्वविद्यालय को दो हिस्सों में बांटना चाहती है, क्योंकि किसी एक व्यक्ति ने ऐसा तय कर लिया है। देश के किसी भी राज्य में दो मेडिकल यूनिवर्सिटी नहीं हैं, तो मप्र में ऐसा क्यों किया जा रहा है। एक-एक डॉक्टर तीन-तीन जगह सेवाएं दे रहा है और सरकार के पास इसका कोई समाधान नहीं है। 18 पीएचसी को निजी संस्थाओं को सौंपा जा रहा है।

कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा की डंबल इंजन सरकार पर राज्य के हितों को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाया।

7455 करोड़ के अनुपूरक बजट, सरकार-विपक्ष आमने-सामने

विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 7455 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया, जिस पर करीब तीन घंटे चर्चा हुई। विधायक बाला बच्चन ने कहा कि बजट में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है। जवाब में वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि मुख्य बजट में पर्याप्त राशि का प्रावधान किया गया था।

बच्चन ने कहा कि सबसे ज्यादा 38% राशि नर्मदा घाटी विकास विभाग को दी गई है, क्योंकि मप्र सरकार गुजरात सरकार को 231 करोड़ देने वाली है, जबकि गुजरात से 7 हजार करोड़ से ज्यादा लेना था, पर अब उल्टा हो रहा है, मप्र को पैसा देना पड़ेगा। सरकार ने कर्ज लेने की सारी सीमाएं पार कर दी हैं, ब्याज के रूप में 80 करोड़ रुपए प्रदेश को चुकाने पड़ रहे हैं। आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का संग्रहालय बनाने 5 करोड़ का प्रावधान सरकार ने किया था, पर सिर्फ 50 लाख ही खर्च कर पाई है।

सिटी सेंटर पर मात्र 7 मिनिट की रामामृतम ध्यान साधना का सार्थक आयोजन, सैकड़ों लोग हुए लाभान्वित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमजी रोड, उच्च न्यायालय के सामने स्थित सिटी सेंटर पर बुधवार को सुबह रामामृतम ध्यान साधना का सार्थक आयोजन किया गया जिसमें परिसर स्थित सभी प्रतिष्ठानों के सहयोगी बंधुओं, संचालकों एवं परिवारजनों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर 7 मिनिट की ध्यान साधना कर स्वयं के लिए आत्मिक शांति, मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया।

इस अवसर पर साधुमार्गी जैन समता संघ के अध्यक्ष पारस बोहरा ने प्रारम्भ में सभी प्रशिक्षकों का स्वागत किया। संघ के मीडिया प्रभारी मनीष बोहरा ने बताया कि रामामृतम की अमृतधारा में सराबोर होकर सभी साधकों ने पूरी ऊर्जा, उत्साह और आंतरिक प्रसन्नता का अनुभव भी किया और साधना के पश्चात हाथ उठाकर अगले 90 दिनों तक प्रतिदिन यह ध्यान साधना करने और इसे जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में सभी साधकों को मात्र 7 मिनिट ध्यान एवं मंत्रोच्चार द्वारा शरीर के 7 चक्रों को जागृत एवं संतुलित करने की साधना का सार्थक प्रदर्शन किया गया। संचालन स्वाति बोहरा ने किया। योजना की भूमिका सहयोगी प्रशिक्षक ऊर्जा मेहता एवं स्वामी बोहरा ने बताई। यह साधना प.पू. आचार्य रामेश के सुशिष्य शासन दीपक प.पू. आदित्य मुनि की प्रेरणा से शहर के अनेक स्थानों पर प्रदर्शित की जा चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

भागवत को चाहे कल्पवृक्ष कहें या महासागर, सबका सार यही है कि मोक्ष के लिए भागवत की शरण जरुरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्वयं भगवान के श्रीमुख से जिस ग्रंथ की रचना हुई हो, वह कालजयी ग्रंथ ही होता है। भारत भूमि ही वह पवित्र जगह है जहां इतनी बड़ी संख्या में देवी-देवता अवतार लेकर इस सृष्टि का संचालन करते हैं। भागवत को चाहे कल्पवृक्ष कह लें, या महासागर अथवा सदगुणों का भंडार - सबका सार यही है कि जीवन को मोक्ष की ओर प्रवृत्त करना है तो भागवत की शरण जरूरी है। भागवत वह कथा है जिसमें जीवन की सभी समस्याओं का समाधान मौजूद है। ये प्रेरक विचार हैं वृन्दावन के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती के, जो उन्होंने गीता भवन में भक्त मंडल एवं अखंड प्रणव योग वेदांत पारमार्थिक न्यास के तत्वावधान में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में परीक्षित मोक्ष एवं भागवत ग्रन्थ की व्याख्या के दौरान व्यक्त किए। कथा में गुरुवार को सुबह यज्ञ हवन के साथ पूर्णाहुति अनुष्ठान आयोजित होगा, जिसमें सभी यजमान एवं श्रद्धालु शामिल होंगे और भागवतजी का पूजन करेंगे।

फूटी कोठी स्थित पुखराज पैलेस से निकलेगा मंगल प्रवेश सामैया, अयोध्या नगरी नामकरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में चातुर्मास के लिए प.पू. साध्वी प्रियमरसाश्री म.सा. एवं श्रियमरसाश्री म.सा. का मंगल प्रवेश 24 जुलाई को सुबह 8 बजे पुखराज पैलेस, फूटी कोठी से मंगल प्रवेश सामैया के साथ होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय नाहर, उपाध्यक्ष सुशील कुकड़ा एवं सचिव चेतन भंडारी ने बताया कि पुखराज पैलेस से बैंड बाजों सहित सामैया जुलूस प्रारम्भ होकर सुदामा नगर स्थित सेठी गेट से द्वारकापुरी मंदिर होते हुए पुन: पुखराज पैलेस पहुंचेगा। इस बार चातुर्मास स्थल को अयोध्या नगरी नाम दिया गया है। प.पू. साध्वी द्वय के मंगल प्रवेश एवं चातुर्मास के दौरान विभिन्न तैयारियों को लेकर ट्रस्ट मंडल द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर संयोजकों का मनोनयन किया गया है। चातुर्मास में प्रवचन एवं अन्य सभी धार्मिक कार्यक्रमों के लिए फूटी कोठी स्थित पुखराज पैलेस पर भव्य सभा मंडप बनाया गया है। वाटरप्रूफ पंडाल में चातुर्मास के सभी आयोजन यहाँ सम्पन्न होंगे। प.पू. साध्वी द्वय ने अब तक महाराष्ट्र, तेलंगाना एवं आंध्रप्रदेश सहित अनेक बड़े शहरों में ऐतिहासिक चातुर्मास पूर्ण किए हैं।

यूसीसी विधेयक लाकर मुख्यमंत्री ने अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा लिया - गोलू शुक्ला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●शहर के सनातनी विधायक गोलू शुक्ला ने राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यूसीसी विधेयक लाने और उसे विधानसभा में पारित कराने के लिए धन्यवाद देते हुए उनके अभिनन्दन का ऐलान किया है। शुक्ला ने विधेयक के प्रावधानों को समाज के सभी वर्गों के लिए क्रांतिकारी और हर दृष्टि से लाभ पहुँचाने वाले प्रावधान बताए हैं। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल बुरी तरह बौखला रहे हैं और यही कारण है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस साहसिक एवं अनूठे निर्णय को राजनीतिक रंग देकर व्यर्थ का विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। निश्चित ही इस विधेयक के आने से प्रदेश के चहुमुखी विकास और यहाँ रहने वाले 6 करोड़ से अधिक नागरिकों के व्यक्तित्व विकास की दिशा में नई राह खुल सकेगी।

विद्या विजय बाल मंदिर ने सीबीएसई क्लस्टर में गोल्ड मेडल जीता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे नन्हे चैंपियंस ने इंदौर के मेडिकैप्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सीबीएसई अंडर-14 बैडमिंटन क्लस्टर चैंपियनशिप 2026-27 में गोल्ड मेडल जीता है एवं नेशनल के लिए क्वालीफाई किया।

यह शानदार उपलब्धि उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और खेल भावना को दर्शाती है। विद्या विजय बाल मंदिर स्कूल का नाम रोशन करने वाले हमारे खिलाड़ी शोभित गुप्ता व सक्षम गुप्ता थे एवं कोच की भूमिका किशन बाटू ने निभाई। इस अवसर पर विद्यालय संचालक डॉ कुणाल दोगने, प्राचार्य भुवनेश गीते, विश्वामित्र अवॉर्डी वीरेंद्र पवार ने टीम को बधाई दी एवं बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

शहर में 5 स्थानों पर आतिशबाजी और मिठाई वितरण के साथ मनाएंगे यूसीसी लागू होने की खुशी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●संस्था चैतन्य भारत एवं गो सेवा भारती ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प पर प्रसन्नता और आभार व्यक्त करते हुए रविवार 26 जुलाई को सुबह शहर में 5 स्थानों पर आतिशबाजी करने, मिठाई बांटने और ढोल-ताशे बजाकर आनंदोत्सव मनाने का निर्णय लिया है।

बुधवार को चैतन्य भारत एवं गो सेवा भारती की संयुक्त बैठक नलियाबाखल स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता सीताराम व्यास ने की। महामंत्री मनीष बोहरा ने बताया कि प्रदेश में यूसीसी कानून लागू होने पर रणजीत हनुमान मंदिर, राजवाडा, छावनी चौराहा, रीगल चौराहा एवं मालवा मील चौराहा पर दोनों सस्थाओं की ओर से आतिशबाजी कर ढोल-ढमाकों के बीच मिठाई वितरण किया जाएगा। बैठक में संगठन के सुरेश पिंगले, विष्णु गोयल एवं गोपाल गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अभिनन्दन करने के लिए उनसे समय लेने हेतु वरिष्ठ पदाधिकारियों का एक शिष्ट मंडल भोपाल जाएगा।

संगठन के स्वदेश राजोरिया, कैलाश खंडेलवाल एवं राजन दुबे ने बताया कि इस अभिनन्दन कार्यक्रम में 108 समाजों को जोड़ा जाएगा और एक समिति का गठन कर शहर के 11 वरिष्ठ धर्माचार्यों का मार्गदर्शक मंडल गठित कर समारोह भव्य पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सर्वानुमति से पं. योगेन्द्र महंत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उक्त जानकारी अशोक हिदुस्तानी ने दी।

अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की तृतीय त्रैमासिक बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में गत दिवस जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की तृतीय त्रैमासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जनवरी 2026 से जुलाई 2026 की अवधि में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 157 पीड़ितों को विभिन्न प्रकरणों में राहत योजना के तहत कुल 2 करोड़ 82 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने पुलिस विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत पात्र किसी भी पीड़ित को राहत योजना के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाए। उन्होंने आरोपियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिन पीड़ितों के अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाण-पत्र अभी तक नहीं बने हैं, उनकी जानकारी समय-सीमा (टीएल) की साप्ताहिक बैठक में प्रस्तुत की जाए, ताकि संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर प्रमाण-पत्र जारी कराए जा सकें।

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री नीरज पाराशर ने राहत वितरण एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, समिति के अशासकीय सदस्य श्री प्रिंसपाल टोंगिया, रमाकांत गुप्ता एवं पप्पू बैरवा उपस्थित थे। बैठक में संजय वर्मा एवं पुष्पेंद्र सिंह ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। अंत में शाखा प्रभारी संजय अठवाल ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं को सुना, मौके पर किया त्वरित समाधान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर नागरिकों के राजस्व संबंधी कार्यों के त्वरित निराकरण हेतु राजस्व जनकल्याण शिविर के आयोजन किए जा रहे हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर इंदौर जिले की खुडैल तहसील अंतर्गत ग्राम असरावद बुजुर्ग में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने स्वयं उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने राजस्व शिविर में नामांतरण के 25 प्रकरण, सीमांकन के 30, बंटवारा के 3, बटांकन के 3 एवं इंद्राज दुरुस्ती का एक प्रकरण सहित कुल 62 राजस्व प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कराया तथा हितग्राही को तत्काल राजस्व रिकॉर्ड की नकल प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री की पहल पर नागरिकों के राजस्व संबंधी प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु राजस्व जनकल्याण शिविर आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर नागरिकों के राजस्व संबंधी कार्यों के त्वरित निराकरण हेतु राजस्व जनकल्याण शिविर के आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर तहसील देपालपुर के राजस्व वृत्त गौतमपुरा में राजस्व शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कलेक्टर वर्मा ने स्वयं उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा नामांकन, सीमांकन, बंटवारा, बटांकन एवं इंद्राज दुरूस्ती आदि राजस्व संबंधी प्रकरणों का त्वरित निराकरण मौके पर ही विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया।

शिविर में 40 नामांतरण, 4 बंटवारा तथा 4 नक्शा तरमीम प्रकरणों में तत्काल आदेश पारित किए गए। इन आदेशों का राजस्व अभिलेखों में तत्काल अमल कर संबंधित कृषकों को आदेश एवं खसरे की प्रमाणित प्रतियां भी मौके पर ही उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा 21 सीमांकन प्रकरणों और एक रास्ता विवाद का भी सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

ग्राम छड़ोदा निवासी रतन सिंह द्वारा कृषि भूमि तक पहुंचने के मार्ग में अवरोध संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया था। शिविर में दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान कराया गया, जिससे आवेदक को तत्काल राहत मिली।

इसी प्रकार ग्राम काई निवासी श्री धन्नालाल की भूमि जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक में बंधक होने के कारण बंधक-मुक्ति की प्रक्रिया लंबित थी। बैंक के विलय से उत्पन्न तकनीकी समस्या का समाधान करते हुए शिविर में बैंक के जोनल कार्यालय से समन्वय स्थापित किया गया और मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई पूरी कर उनकी भूमि को बंधक-मुक्त कराया गया। राजस्व शिविर में कुल 70 प्रकरणों का निराकरण कर राजस्व सेवाओं को सरल, सुलभ एवं त्वरित बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की गई।

अग्रवाल केन्द्रीय समिति के सभी कार्यों और बैंक खातों सहित सभी योजनाओं में समाज बंधुओं की पक्की भागीदारी रहेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के 26 जुलाई को हो रहे द्विवार्षिक चुनाव के लिए 'जय अग्रसेन खाटू श्यामजी पैनल' के उम्मीदवारों ने बुधवार को शहर के पश्चिमी क्षेत्र की अग्रवाल बाहुल्य, एयरपोर्ट रोड एवं आसपास की कॉलोनियों में समाज बंधुओं से सम्पर्क कर उन्हें अपनी भावी योजनाओं का ब्यौरा दिया। पैनल के अध्यक्ष संजय अग्रवाल मंडी ने समाज बंधुओं के समक्ष संकल्प व्यक्त किया कि वे केन्द्रीय समिति के कार्यों और बैंक खातों सहित सभी योजनाओं में समाज बंधुओं को जोड़ने के लिए पूर्ण पारदर्शिता अपनाएंगे और डिजिटल डायरेक्टरी की भी शुरुआत करेंगे। उनकी पैनल हॉस्पिटल और कॉलेज तथा कोकिंग क्लासेस शुरू करने के संकल्प पहले ही व्यक्त कर चुकी है। पैनल संयोजक गणेश गोयल, गोविन्द सिंघल एवं समाज के अनेक वरिष्ठजनों के साथ पैनल के उम्मीदवारों ने बुधवार को एयरपोर्ट रोड क्षेत्र की सभी कॉलोनियों में सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान नारनोली अग्रवाल पंचायत भवन पर आयोजित स्नेह मिलन समारोह में मुख्य रूप से समाजसेवी जगदीश गोयल बाबाश्री एवं लतिका अग्रवाल सहित सैकड़ों स्नेहीजनों ने सभी उम्मीदवारों का आत्मीय स्वागत करते हुए आश्वस्त किया कि समाज की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठाने वाले और सेवा भावना से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को प्रचंड बहुतमत से विजयी बनाएँगे।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

नीट विवादः सड़कों से संसद तक गूंजा स्टूडेंट्स का आक्रोश, समाधान कब?

संसद का काम जनहित से जुड़े मसलों पर मंथन कर उन्हें निर्णायक रूप देने का होता है, मगर जब सदन में कोई कामकाज ही नहीं होगा, तो फिर उसके मूल उद्देश्य की पूर्ति कैसे हो पाएगी। प्रवेश परीक्षाओं की प्रणाली में सुधार और जवाबदेही तय करने का मुद्दा अब सड़क से लेकर संसद तक पहुंच गया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है और संसद के दोनों सदनों में विपक्ष इस मसले को जोर-शोर से उठा रहा है। संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। यह सच है कि देश का संविधान हर नागरिक को इजाजत देता है कि वह शासन-प्रशासन या किसी संस्था की नीतियों और निर्णयों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना असंतोष और मांग जाहिर कर सकता है। ऐसे में क्या वजह रही कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं से संवाद के बजाय उनके खिलाफ बल प्रयोग करने को ही अंतिम विकल्प मान लिया गया! क्या यह सरकार की जिम्मेदारी नहीं है कि प्रदर्शनकारी युवाओं की मांग पर विचार किया जाए और समाधान का कोई रास्ता निकाला जाए? यही नहीं, संसद में इस मुद्दे पर बने गतिरोध से जो कीमती समय बर्बाद हो रहा है, उसके लिए कौन जिम्मेदार है? संसद का काम जनहित से जुड़े मसलों पर मंथन कर उन्हें निर्णायक रूप देने का होता है, मगर जब सदन में कोई कामकाज ही नहीं होगा, तो फिर उसके मूल उद्देश्य की पूर्ति कैसे हो पाएगी। दरअसल, नीट में गड़बड़ियों को लेकर काकरोच जनता पार्टी (काजपा) की ओर से जंतर-मंतर पर पिछले कई दिनों से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। इस मामले ने बीते शनिवार को तब तूल पकड़ा, जब बीस दिनों से अनशन पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने जबरन अस्पताल में भर्ती करा दिया। इसे युवाओं के आंदोलन की आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में देखा गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों के संसद मार्च के दौरान सुरक्षा बलों के बल प्रयोग से स्थिति बिगड़ गई और कई जगह दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। मगर अहम सवाल यह है कि यह नौबत आने ही क्यों दी गई? सरकार ने समय रहते प्रदर्शनकारी युवाओं से बातचीत कर उन्हें भरोसे में लेने की कोशिश क्यों नहीं की? जाहिर है, अगर सरकार की ओर से यह पहल की जाती, तो प्रदर्शनकारियों के संसद तक मार्च को टाला जा सकता था।

बुजुर्गों का सम्मान देश की स्वस्थ परंपरा बने, सामाजिक संतुलन में बुजुर्गों की महित्ती भूमिका

यह विडंबना है जब मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगनशीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि इस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन,व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाश्त कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है।

वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपत्ति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपत्ति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्ग को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरुप युवा पीढ़ी के रहन-सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती। भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपत्ति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है।यह एक बड़ी समस्या आज बुजुर्गों के सामने यक्ष प्रश्न बनकर खड़ी है। व्यक्ति को बुजुर्ग अवस्था में जब सबसे ज्यादा धन की आवश्यकता होती है तब उसके पास धन नहीं होता है। यह धन की कमी उपेक्षा का बड़ा कारण भी बनती है। युवा पीढ़ी का व्यक्तिगत स्वार्थ एवं धन के प्रति आकर्षण भी बुजुर्गों के प्रति प्रभाव तथा उपेक्षा का मूल कारण होता है।

व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उपेक्षित और समस्या ग्रस्त होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है मेरे साथ रहो, रुको वृद्ध हो, अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है।

वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और प्यार की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी को चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगातार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार उनका आशीर्वाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार,स्तंभकार, चिंतक,लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़

मजबूत परिवार ही नशे के खिलाफ सबसे बड़ी ढालः राजकुमार जैन

प्रख्यात समाजसेवी, लेखक एवं विचार मंच के प्रतिनिधि राजकुमार जैन (अरे-ओ-भिया) ने अपने जन्मदिन को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के युवाओं के बीच रहकर नशामुक्त समाज का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित की गई ओपन माइक प्रतियोगिता में उन्होंने निर्णायक (जज) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी निभाई।

इस अवसर पर राजकुमार जैन ने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून या चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि यदि परिवार मजबूत हो जाएं तो नशे की समस्या काफी हद तक स्वतः समाप्त हो सकती है।

उन्होंने कहा, 'व्यक्ति अक्सर अपनी खुशी को बढ़ाने या तनाव और दुख से राहत पाने के लिए नशे का सहारा लेता है, जबकि उसका वास्तविक समाधान किसी नशीले पदार्थ में नहीं, बल्कि अपने परिवार के स्नेह, संवाद और भावनात्मक सहयोग में छिपा है।'

राजकुमार जैन ने कहा कि बचपन में प्रत्येक बच्चा अपनी हर छोटी-बड़ी खुशी और परेशानी सबसे पहले अपने परिवार से साझा करता है। लेकिन जैसे-जैसे परिवारों में संवाद कम होता जाता है, बच्चों और युवाओं के भीतर भावनात्मक खालीपन बढ़ने लगता है। यही खालीपन उन्हें गलत संगति और नशे जैसी विनाशकारी आदतों की ओर धकेल देता है।

उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती 'कम्युनिकेशन गैप' है। आधुनिक जीवनशैली में परिवार एक साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। यदि माता-पिता प्रतिदिन बच्चों के साथ खुलकर संवाद करें, उनकी बातें सुनें और बिना किसी डर के अपनी भावनाएं व्यक्त करने का वातावरण दें, तो नशे की शुरुआत होने से पहले ही उसे रोका जा सकता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि नशामुक्त समाज का सबसे प्रभावी मॉडल परिवार से शुरू होता है। बच्चों को केवल नशे के दुष्परिणाम बताना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा प्रेमपूर्ण, सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण देना होगा, जहां वे हर परिस्थिति में अपने परिवार को ही अपना सबसे बड़ा सहारा समझें।

अपने संदेश के अंत में राजकुमार जैन ने कहा कि आज समाज नशे के दुष्परिणामों से भली-भांति परिचित है। अब समय केवल जागरूकता फैलाने का नहीं, बल्कि परिवार, समाज, शिक्षण संस्थानों और कॉर्पोरेट जगत को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का है, जहां संवाद, विश्वास और संस्कार नशे के विरुद्ध सबसे मजबूत सुरक्षा कवच बन सकें।

उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि 'आइए, जन्मदिन, उत्सव और सामाजिक आयोजनों को केवल खुशी मनाने का अवसर न बनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम भी बनाएं।'

आंचलिक

वन मंडल धार में पदोन्नत कर्मचारियों का अलंकरण एवं सम्मान समारोह संपन्न

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

वन मंडल धार के ईको सेंटर में बुधवार को पदोन्नत कर्मचारियों के सम्मान एवं अलंकरण हेतु गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विजयानंथम टी.आर., वन मंडल अधिकारी, धार, सुनील सुलिया, उप वन मंडल अधिकारी, धार / सरदारपुर तथा वन मंडल धार के समस्त वन परिक्षेत्र अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 तथा मध्यप्रदेश राजपत्र असाधारण में दिनांक 19 जून 2025 को प्रकाशित अधिसूचना में निहित प्रावधानों के अनुसार वन मंडल धार के विभिन्न संवर्गों के कुल 54 कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान की गई। इनमें 06 वनपालों को उप वनक्षेत्रपाल, 37 वनरक्षकों को वनपाल, 04 सहायक ग्रेड-3 कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-2, 02 दफ्तरी कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-3 तथा 05 भृत्यों को दफ्तरी के पद पर पदोन्नत किया गया।

समारोह के दौरान पदोन्नत कर्मचारियों को उनके नवीन पद के प्रतीक स्वरूप अलंकरण किया गया तथा उन्हें सम्मानित कर नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी गईं। यह अवसर पदोन्नत कर्मचारियों के लिए अत्यंत गौरव एवं उत्साह का रहा। इस अवसर पर वन मंडल अधिकारी श्री विजयानंथम टी. आर. ने सभी पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदोन्नति केवल पद और दायित्व में वृ?द्धि नहीं है, बल्कि यह विभाग एवं शासन द्वारा कर्मचारी की कार्यक्षमता, समर्पण और सेवाभाव में व्यक्त विश्वास का प्रतीक भी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपने नवीन पद के अनुरूप कर्तव्यों एवं दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वन विभाग का कार्य सीधे तौर पर वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय समुदायों के हितों से जुड़ा हुआ है। अतः प्रत्येक कर्मचारी अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए विभागीय कार्यों को प्राथमिकता, संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ संपादित करे। उन्होंने पदोन्नत कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उनकी नई भूमिका वन संरक्षण एवं विभागीय कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने भी पदोन्नत कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन पदोन्नत कर्मचारियों के उत्साह एवं नई जिम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ हुआ। सुनील सुलिया, उप वन मंडल अधिकारी धार/सरदारपुर द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

कागज पर बन गई सीसी रोड, 6.5 लाख हजम

भूतिबावड़ी पंचायत में बड़ा घोटाला, रायसिंग से सुनील के घर तक सड़क गायब

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

जनपद पंचायत तिरला की ग्राम पंचायत भूतिबावड़ी में विकास कार्यों में बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। यहां रायसिंग के घर से सुनील के घर तक बनने वाली सी सी रोड सिर्फ कागजों में बनकर तैयार हो गई।

7 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत इस सड़क की टी.एस. दिनांक 02/02/2025 है। लेकिन जमीन पर आज तक एक इंच भी सड़क नहीं बनी। इसके बावजूद पंचायत द्वारा लगभग 6.5 लाख रुपये की राशि निकाल ली गई है।

ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामवासियों का आरोप है कि इस पूरे फर्जीवाड़े में पंचायत के सरपंच और क्षेत्रीय मंत्री कैलाश बारिया की मिलीभगत है। ग्रामीणों का कहना है कि न तो सड़क निर्माण के लिए कोई सामग्री आई और न ही कोई मजदूर काम पर लगा।

सीईओ ने माना अनियमितता

जब इस मामले की शिकायत जनपद पंचायत तिरला के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से की गई तो उन्होंने कहा कि 'पंचायत में जो भ्रष्टाचार हुआ है उस पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी और शासन की अवैध रूप से निकाली गई राशि की वसूली भी की जाएगी।'

जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने कलेक्टर धार से मांग की है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ ढ्ढक्क्ष्ट की धारा 420 व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर 6.5 लाख रुपये की रिकवरी की जाए। पंचायत प्रशासन की चुप्पी से पूरे मामले पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा से पहले तैयार होगा फ्लाईओवर, 25 जुलाई तक निर्माण पूरा करने का अल्टीमेटम

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • खलघाट-पाल 347सी राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन इंदौर रोड फ्लाईओवर का काम अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव को देखते हुए प्रशासन ने निर्माण कार्य में तेजी ला दी है। फ्लाईओवर के अप्रोच रोड और अंडरपास पर डामरीकरण का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। प्रशासन का लक्ष्य 25 जुलाई तक निर्माण कार्य पूरा कर श्रद्धालुओं के लिए मार्ग को सुचारु बनाना है। 29 जुलाई को इंद्र टेकड़ी स्थित पूर्णानंद बाबा की समाधि पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित होना है। इस धार्मिक आयोजन में करीब एक लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन चाहता है कि फ्लाईओवर का निर्माण समय रहते पूरा हो जाए, ताकि यातायात बाधित न हो और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं मंदिर समिति ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर एसडीएम सत्येंद्र बैरवा से मुलाकात कर फ्लाईओवर जल्द पूरा कराने की मांग की थी। इसके बाद एसडीएम ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों के साथ बैठक कर 25 जुलाई तक कार्य पूरा करने का अल्टीमेटम दिया। प्रशासन की सख्ती के बाद निर्माण कंपनी ने मौके पर मशीनों और श्रमिकों की संख्या बढ़ा दी है। अप्रोच रोड, अंडरपास और अन्य अधूरे हिस्सों पर तेजी से काम किया जा रहा है।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग परिसर में पंडितों के प्रवेश पर रोक

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में नियमित पूजन-अर्चन करने वाले पंडितों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। इस प्रतिबंध के कारण मंदिर परिसर में विवाद की स्थिति बन गई। पंडितों का आरोप है कि मंदिर के टी-पॉइंट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें आगे जाने से रोका। सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से निर्देश प्राप्त हुए हैं, जिसके तहत सुबह 9 बजे के बाद किसी भी पंडित को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पंडित राधे तिवारी और नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पंडित नवल किशोर शर्मा ने बताया कि कंपनी के इंचार्ज तिलोक त्यागी ने ग्रुप में संदेश जारी कर यह निर्देश दिए हैं। सुरक्षा कर्मियों ने यह भी चेतावनी दी कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई होगी और नौकरी भी जा सकती है। पंडितों के अनुसार, यह व्यवस्था एसडीएम पुनासा पंकज वर्मा के निर्देशों पर लागू की जा रही है। इस घटना के बाद पंडितों ने प्रशासन के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने अधिकृत पंडितों को मंदिर में निर्बाध प्रवेश देने, अपने यजमानों के साथ जलाभिषेक कराने की अनुमति बहाल करने और अभिषेक हॉल में बैठकर श्रद्धालुओं का विधिवत पूजन कराने की व्यवस्था पुनः शुरू करने की मांग की।

सावन में ओंकारेश्वर दर्शन व्यवस्था बदलेगी, सामान्य श्रद्धालु सुखदेव मुनि द्वार से

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • सावन के महीने में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन और ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के अनुसार, भक्तों को सुगम और सुरक्षित दर्शन कराने के लिए यह नई व्यवस्था अगले दो-तीन दिनों में लागू कर दी जाएगी। सड़क का चौड़ीकरण पूरा होने के साथ ही सामान्य श्रद्धालुओं को सुखदेव मुनि मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा। श्रद्धालु सीढ़ियों के रास्ते भगवान ओंकारेश्वर के दर्शन करेंगे और गर्भगृह में 10 फीट की दूरी से दर्शन की व्यवस्था रहेगी। दर्शन के बाद श्रद्धालु चांदी गेट से बाहर निकलेंगे और झूला पुल के रास्ते बाहर जाएंगे। वर्तमान एग्जिट द्वार को अब प्रोटोकॉल द्वार बनाया गया है, जहां से शीघ्र दर्शन वाले भक्त प्रवेश करेंगे। दर्शन के बाद ये श्रद्धालु लक ड़ी गेट से बाहर निकलेंगे। शीघ्र दर्शन और प्रोटोकॉल

टिकट काउंटर को ब्रह्मपुरी पार्किंग क्षेत्र में शिफ्ट किया जा रहा है।

शहर में वन-वे ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था

सावन भर नगर में वन-वे ट्रैफिक नियम लागू रहेगा। पुराने बस स्टैंड और दंडी आश्रम की तरफ से बाहरी गाड़ियों का प्रवेश बंद रहेगा। श्रद्धालुओं को निर्वाणी अखाड़ा स्थित स्टैंड पर जूते-चप्पल जमा करने होंगे। दर्शन के बाद झूला पुल और स्काई ब्रिज होते हुए वे वापस निर्वाणी अखाड़ा पहुंचकर जूते-चप्पल ले सकेंगे।

ट्रेंचिंग ग्राउंड और ताम्रकार पार्किंग का उपयोग पार्किंग के लिए किया जाएगा। स्थानीय लोगों और अधिकृत ड्ड्क्क वाहनों के लिए कुबेर भंडारी से ब्रह्मपुरी तक विशेष रास्ता रहेगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक अगम जैन, एसडीएम पंकज वर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर के विश्वेश सिंह ठाकुर का जूनियर पुरुष हॉकी मध्यप्रदेश की नेशनल टीम मे चयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने बताया कि 28 जुलाई से 8 अगस्त तक कोयंबटूर (तमिलनाडु) मे आयोजित हॉकी इंडिया की 16 वी जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के लिए ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर के राष्ट्रीय खिलाडी विश्वेश सिंह ठाकुर का हॉकी मध्यप्रदेश की नेशनल टीम मे चयन हुआ हॉकी मध्यप्रदेश टीम की घोषणा हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव श्री लोक बहादुर ने जबलपुर मे की मध्यप्रदेश टीम के लिए चयन ट्रायल्स 27 व 28 जून 2026 को जबलपुर मे

आयोजित की गई थी चयन ट्रायल्स मे प्रदेश से 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था। विश्वेश सिंह का हॉकी मध्यप्रदेश की नेशनल टीम मे 3 री बार चयन हुआ। विश्वेश सिंह ठाकुर के कोच मो याकुब अंसारी है विश्वेश सिंह के चयन पर हॉकी इंदौर एसोसिएशन के अध्यक्ष व विधायक रमेश मेदौला, संरक्षक ओम सोनी,उपाध्यक्ष डॉ ए के दास, मो इस्माईल अंसारी, दीपक पटेरिया, सहसचिव मो याकुब अंसारी, कोषाध्यक्ष नजमुदीन खुर्शीद, आनंद यादव, अतुल खुणे, गुलाम साबिर, नितिश गौड़, अभिषेक यादव, नवेद अंसारी,दीपक यादव सोनी साहू, अदिति कसेरा, अनमोल शुक्ला आदि खिलाडियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ आज जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगा भारत

हरारे (एजेंसी) ● लगातार टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में पहली सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगे, जबकि युवा भारतीय टीम के सामने हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने शुरुआती सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छह मैच गंवाए हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद जिम्बाब्वे दौरा टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का सुनहरा मौका है। हालांकि भारत इस सीरीज में प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हार टीम के ड्रेसिंग रूम पर बड़ा असर डाल सकती है। इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण टीम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में टीम संयोजन और रणनीति पर भी सभी की नजरें रहेंगी। हरारे की पिच पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और मदद मिलने की संभावना है। ऐसे में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मध्यक्रम में उपकप्तान तिलक वर्मा की बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी चर्चा है। उन्हें नंबर-5 पर सफलता नहीं मिली है, जबकि ईशान किशन नंबर-3 की भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में रिंकू सिंह भी मध्यक्रम में मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। ऑलराउंडर संयोजन में हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से दो खिलाड़ियों का चयन करना टीम प्रबंधन के लिए आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाजी आक्रमण में मयंक यादव, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा और यश ठाकुर में से अंतिम संयोजन पर भी नजर रहेगी।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट के लिए नीयमों में किया बदलाव

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट के नीयमों में बदलाव की घोषणा कही है। बोर्ड ने आगामी 2026-27 घरेलू क्रिकेट सीज़न के लिए खेल के नियमों में ये बदलाव इसे और बेहतर बनाने के लिए किये हैं। इसमें सबसे प्रमुख बदलाव ये है कि अगर कोई गेंदबाज जानबूझकर फ्रंट-फुट पर नो-बॉल या नॉन-लैंडिंग गेंद करता है, तो उसे केवल उस पारी से नहीं, बल्कि पूरे मैच से निलंबित कर दिया जाएगा। ये बदलाव खेल की अखंडता और रणनीतिक दुरुपयोग को रोकने के लिए किये गये है। ये बदलाव मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की सिफारिशों को देखते हुए किया गया है। वहीं अब तक दोषी गेंदबाज को केवल उस पारी में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं होती थी। हालांकि, अब मैदानी अंपायर यदि यह निर्धारित करते हैं कि किसी गेंदबाज ने जानबूझकर फ्रंट-फुट नो-बॉल या नॉन-लैंडिंग गेंदबाज की है, तो उसे उस पूरे मैच में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। यह कदम खेल में अनुचित लाभ उठाने के प्रयासों को रोकने के लिए उठाया गया है।

वहीं दिन के खेल के समाप्त होने से जुड़े नियम में भी बदलाव किया गया है। अब से, यदि दिन के आखिरी ओवर के दौरान कोई विकेट गिरता है, तो खेल वहीं समाप्त नहीं होगा। इसकी जगह ओवर पूरा कराया जाएगा, जिससे नई बल्लेबाजी करने वाली टीम को दिन के अंत में क्रीज पर तुरंत आने की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अनुपमा के जरिए महिलाओं के सम्मान और पहचान की बात : निधि

मुंबई (एजेंसी) ● टीवी शो अनुपमा में प्रेरणा के किरदार से घर-घर में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री निधि शेट्टी इन दिनों शो के मौजूदा ट्रैक को लेकर चर्चा में हैं। निधि का दृढ़ता से मानना है कि अनुपमा सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज में व्याप्त उन कई पुरानी और रूढ़िवादी सोच पर भी सवाल उठाता है, जिनका सामना आज भी महिलाएं अपने रोजमर्रा के जीवन में करती हैं। निधि शेट्टी ने कहा, अनुपमा दर्शकों के दिलों तक इसलिए पहुंचता है क्योंकि इसकी कहानी काल्पनिक कम और वास्तविक जीवन के ज्यादा करीब होती है। शो में दिखाई जाने वाली परिस्थितियां वही हैं, जिनका सामना आज भी देश के कई परिवारों में महिलाएं करती हैं। प्रेरणा के किरदार के जरिए ऐसे मुद्दों को सामने लाया जा रहा है, जिन पर समाज में खुलकर बात होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि अगर इस शो को देखने के बाद कुछ लोग भी अपनी सोच बदलने की कोशिश करें या महिलाओं को लेकर बने पुराने नजरिए पर दोबारा विचार करें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी। एक कलाकार के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना हमेशा खुशी देता है, जो सिर्फ मनोरंजन न करे, बल्कि समाज को सोचने पर भी मजबूर करे।

शो के हालिया एपिसोड में प्रेरणा अपने परिवार के सामने अपनी बात मजबूती से रखती है, खासकर अपने निजी पहनावे और पसंद को लेकर। इस सीन के बारे में बात करते हुए निधि ने कहा, मैंने इस सीन में गुस्से से ज्यादा प्रेरणा की भावनाओं पर ध्यान दिया। वह अपने कपड़ों के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि इसलिए आवाज उठा रही है, क्योंकि वह बार-बार अपनी निजी पसंद को लेकर जज किए जाने से थक चुकी है। निधि ने दोहरे मापदंड पर प्रकाश डाला, जहाँ जो बातें एक बेटी के लिए सामान्य मानी जाती हैं, वही बहू के लिए सवाल बन जाती हैं। उन्हें सबसे ज्यादा इसी बात ने तकलीफ पहुंचाई।

नेटफ्लिक्स के शो लॉक अप : सच या सज़ा में 'द रेबेल किड' अपूर्वा की धमाकेदार वाइल्डकार्ड एंट्री

मुंबई (एजेंसी) ● लॉक अप में अब बगावत और रोमांच और भी बढ़ने वाला है। जब कैदियों को लगा कि उन्होंने अपना-अपना गैंग बना लिया है, तभी 'द रेबेल किड' के नाम से मशहूर अपूर्वा की धमाकेदार वाइल्डकार्ड एंट्री होती है। नेटफ्लिक्स का दुनियाभर में ट्रेंड कर रहा कैप्टिव रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सज़ा' अब लॉक अप के अंदर सभी रिश्तों को पूरी तरह बदलने के लिए तैयार है। अपनी बेबाक बातों और खुलकर अपनी राय रखने के लिए मशहूर अपूर्वा अब लॉक अप में धमाकेदार एंट्री करने जा रही हैं। वह शो में आते ही माहौल को बदलने के लिए तैयार हैं। अब देखना होगा कि 'द रेबेल किड' अपूर्वा नई दोस्तियां बनाएंगी, पुरानी दोस्तियों में दरार डालेंगी और पूरे खेल का रुख बदल देंगी या नहीं। शो में एंट्री को लेकर अपूर्वा बताती है कि, 'सच कहूं तो मैं बहुत नर्वस हूं। मैंने खुद से वादा किया था कि मैं दोबारा किसी कैप्टिव रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनूंगी, लेकिन अब मैं यहां हूं। सच यह है कि मुझे 'लॉक अप' शो की लत लग गई है। पहले जिस

रियलिटी शो का मैं हिस्सा थी, उसके अलावा मैंने कभी किसी रियलिटी शो को इतना फॉलो नहीं किया। लेकिन यह शो मुझे और मेरे दोस्तों को बहुत पसंद है। हम हर एपिसोड को रोककर देखते हैं, स्क्रीनशॉट लेते हैं, मीम्स बनाते हैं और हर कंटेस्टेंट के सफर पर चर्चा करते हैं। मेरे पूरे सोशल मीडिया फीड पर सिर्फ 'लॉक अप' ही नजर आता है। अगर ज्यादा सच कहूं तो, मुझे शिल्पा शिंदे पसंद नहीं हैं। हां, पामेला सेरेना को देखना मुझे बहुत पसंद आया।

उज्जैन संभाग

युवक का अपहरण, 10 आरोपी गिरफ्तार, इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवती ने बुलाया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●इंस्टाग्राम पर एक युवती से दोस्ती एक युवक को भारी पड़ गई। युवती से मिलने पहुंचे युवक का बदमाशों ने अपहरण कर लिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, अश्लील वीडियो बनाया और उसे वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपए की मांग की। पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, नरवर निवासी युवक की इंस्टाग्राम पर एक युवती से दोस्ती हुई थी। युवती ने नौकरी और काम की बात कहकर युवक को 18 जुलाई को उज्जैन बुलाया। युवक उसे रेलवे स्टेशन से लेने पहुंचा। दोनों एक होटल गए, और वहां से निकलते ही तपोभूमि इलाके में दो कारों में आए बदमाशों ने उनकी गाड़ी रोक ली। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की, उसकी आंखों पर पट्टी बांधी और उसे एक सुनसान जगह ले गए। वहां उसका अश्लील वीडियो बनाया गया। इसके बाद परिवार से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई, जो बाद में 26 लाख रुपए पर तय हुई। युवक के परिजनों ने एक प्लॉट बेचकर 10 लाख रुपए का इंतजाम किया और आरोपियों को दे दिए। इसके बावजूद, बदमाशों ने शेष राशि की मांग जारी रखी और युवक की कार, सोने की चेन तथा घड़ी अपने पास रख ली। लगभग एक दिन बाद युवक को इंदौर रोड पर छोड़ दिया गया। 20 जुलाई को युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी लोकेश शर्मा सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से काम करता था। वे पहले ऐसे लोगों की जानकारी जुटाते थे जिनके पास अच्छी संपत्ति होती थी। फिर एक युवती के माध्यम से उनसे सोशल मीडिया पर दोस्ती की जाती थी। मिलने के बहाने बुलाकर उनका अपहरण किया जाता और अश्लील वीडियो बनाकर बदनामी के डर से पैसे वसूले जाते थे।

दो कॉलेजों के विद्यार्थियों को जीरो नंबर, निजी कॉलेज को खुलेआम चीटिंग करवाई जा रही

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नागदा के शासकीय स्वामी विवेकानंद कॉलेज और शासकीय गर्ल्स डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को विक्रम विश्वविद्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि बीकॉम द्वितीय वर्ष के एक विषय में 47 से अधिक छात्रों को मनमाने ढंग से जीरो या बेहद कम अंक देकर सप्लीमेंट्री दे दी गई। छात्रों ने मामले की जांच, री-चेकिंग और जिम्मेदार प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के अनुसार 6 मई को आयोजित बिजनेस स्टेटिस्टिक्स की परीक्षा में नागदा के रूपेटा स्थित शासकीय स्वामी विवेकानंद कॉलेज के 44 विद्यार्थियों में से 30 को सप्लीमेंट्री दे दी गई। इनमें कई छात्रों को शून्य अंक दिए गए। वहीं शासकीय गर्ल्स डिग्री कॉलेज की 17 छात्राओं को भी शून्य से लेकर तीन अंक तक ही मिले। छात्रों का कहना है कि सभी नियमित छात्र हैं और उन्होंने परीक्षा पूरी तैयारी के साथ दी थी। इसके बावजूद इतने कम अंक दिए जाना

समझ से परे है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा के दौरान एक निजी कॉलेज के विद्यार्थियों को विशेष सुविधा दी गई। उनका कहना है कि उन छात्रों को परीक्षा के दौरान खुलकर नकल कराई गई थी, जिसकी शिकायत भी की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्रों का कहना है कि ईमानदारी से परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को जीरो अंक देकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल शर्मा ने बताया कि नागदा के शासकीय कॉलेजों के छात्रों ने कम अंक मिलने और निजी कॉलेज के विद्यार्थियों को विशेष सुविधा दिए जाने की शिकायत की है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए परीक्षा नियंत्रक को निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो नियमानुसार आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

धार्मिक आयोजनो में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सावन माह में आने वाले लाखो श्रद्धालुओं और उनके द्वारा खाने पीने की चीजों में इस्तमाल होने वाले प्लास्टिक को नगर निगम पूरी तरह खत्म करने जा रहा है। इससे आने वाले श्रद्धालुओं को शहर में प्लास्टिक का कचरा भी नहीं दिखेगा और पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा। इसको लेकर बुधवार को निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल ने आईईसी हेड, सुपरवाइजर एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। आगामी माह की कार्ययोजना पर चर्चा की उन्होंने आदेश दिया कि सावन माह में आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों, भंडारों एवं अन्य आयोजनों को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। पटेल ने कहा कि सावन माह के दौरान शहर में योजित होने वाले सभी धार्मिक कार्यक्रम, भंडारे एवं सामुदायिक आयोजन सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त हों तथा आयोजन स्थलों पर स्वच्छता की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बिना पंजीयन चल रही डेयरी सील :दो दिन के अभियान में 14 खाद्य नमूने लिए गए

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले में दूध और दुग्ध उत्पादों में मिलावट रोकने के लिए प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दो दिनों तक डेयरियों और दूध कारोबारियों की जांच की। इस दौरान 14 खाद्य नमूने लिए गए। वहीं, धार शहर में बिना खाद्य पंजीयन और अस्वच्छ परिस्थितियों में संचालित एक डेयरी को सील कर उसका संचालन बंद करा दिया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 21 और 22 जुलाई को धार और कुक्षी क्षेत्र में निरीक्षण किया। धार शहर में राजवाड़ा स्थित सोमानी डेयरी, त्रिमूर्ति चौराहा की शारदा डेयरी, इंदौर-अहमदाबाद रोड स्थित सोलंकी इंटरप्राइजेज, नालछा दरवाजा स्थित सिद्धेश्वर ट्रेडर्स और निहाल नगर की माय डेयरी से दूध, पनीर, मावा, दही और घी के नमूने लिए गए।

बिना पंजीयन चल रही डेयरी पर कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान निहाल नगर स्थित माय डेयरी बिना खाद्य पंजीयन के संचालित मिली। उत्पादन और भंडारण की व्यवस्था भी अस्वच्छ पाई गई। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने डेयरी का संचालन बंद कर परिसर को सील कर दिया। कुक्षी क्षेत्र में ग्वाला डेयरी उत्पाद, शिवाय स्वीट्स एंड दूध डेयरी, श्री कृपा स्वीट्स एंड डेयरी, मथुरा दूध डेयरी और कृष्ण स्वीट्स एंड डेयरी से खुले दूध और पनीर के नमूने एकत्र किए गए। अभियान के दौरान लिए गए सभी 14 नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। रिपोर्ट में मिलावट या गुणवत्ता संबंधी अनियमितता मिलने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने कहा है कि आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'रक्तांचल-3' के कलाकारों ने महाकाल के दरबार में लगाई हाजिरी, भस्म आरती में हुए शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● ओटीटी पर हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'रक्तांचल-3' के कलाकार निकितिन धीर और क्रांति प्रकाश झा बुधवार तड़के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। दोनों ने बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। उनके साथ लोकप्रिय वेब सीरीज 'पंचायत' में सहायक सचिव का किरदार निभाने वाले अभिनेता चंदन राय भी दर्शन के लिए पहुंचे। दरअसल, 'रक्तांचल-3' की टीम अपनी वेब सीरीज के प्रमोशन के सिलसिले में इंदौर आई थी। मंगलवार को इंदौर में मीडिया से बातचीत के बाद कलाकारों ने बुधवार सुबह महाकाल मंदिर में दर्शन का कार्यक्रम बनाया। तड़के करीब चार बजे महाकाल मंदिर पहुंचे कलाकारों ने लगभग दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती में भाग लिया। आरती के बाद उन्होंने नंदी महाराज का पूजन कर उनके कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल का जलाभिषेक और पूजन किया तथा मंदिर परिसर स्थित अन्य देवी-देवताओं के भी दर्शन किए। दर्शन के बाद अभिनेता क्रांति प्रकाश झा ने कहा कि बाबा महाकाल के दरबार में आकर वह बेहद भावुक हैं। उन्होंने कहा कि इस अनुभव को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। बाबा महाकाल का आशीर्वाद पाकर उन्हें अपार खुशी और आध्यात्मिक ऊर्जा मिली है।

पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन की रेलवे की उपेक्षा पर चिट्ठी, सवाल उठे सांसद लालवानी पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● क्या इंदौर अनाथ है? क्या वर्तमान सांसद शंकर लालवानी सक्रिय नहीं हैं? यह सवाल उठे हैं इंदौर की पूर्व सांसद व स्पीकर सुमित्रा महाजन (ताई) के पत्र से। उन्होंने रेलवे के महाप्रबंधक को दो पेज की तीखी चिट्ठी लिखी है। इसमें इंदौर की उपेक्षा की बात कही गई है।

पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन और सांसद शंकर लालवानी - इंदौर एयरपोर्ट के बाद अब इंदौर की रेलवे सुविधाओं पर पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन ने चिट्ठी लिखी है। यह चिट्ठी रेलवे के महाप्रबंधक रामश्रय पांडे को लिखी गई है। इसमें इंदौर की उपेक्षा होने की बात कही गई है। साफ लिखा है कि इंदौर के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यहां तक कहा गया कि ऐसा प्रतीत होता है कि इंदौर को अनाथ समझ लिया गया है।

क्या लिखा है चिट्ठी में-ताई ने पत्र में साफ शब्दों में लिखा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पश्चिम रेलवे ने इंदौर को अनाथ समझ लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आर्थिक राजधानी होने और लगभग 40 लाख की आबादी के बावजूद इंदौर को उसकी जरूरत के अनुरूप रेल सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इंदौर के लिए नई यात्री ट्रेनें शुरू करने के बजाय अन्य रेलवे जोनों द्वारा भेजे गए प्रस्ताव भी वर्षों से लंबित पड़े हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे की जयपुर-इंदौर और पश्चिम मध्य रेलवे की रीवा-इंदौर ट्रेन के प्रस्ताव अब तक अधर में हैं।

महू-उज्जैन लोकल और अयोध्या ट्रेन की भी उठाई मांग-पत्र में ताई ने महू-उज्जैन के बीच लोकल ट्रेन सेवा शुरू करने और अयोध्या के लिए सीधी रेल सेवा उपलब्ध कराने की आवश्यकता भी बताई। उनका कहना है कि ऐसे कई उदाहरण हैं, जो इंदौर की उपेक्षा को दर्शाते हैं। लक्ष्मीबाई नगर में दो अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, महू में अतिरिक्त लाइन क्षमता और रखरखाव की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है। इसके बावजूद हर मांग पर केवल यह कहना कि लाइन और प्लेटफॉर्म उपलब्ध नहीं हैं, उचित नहीं है।

इंदौर की पीड़ा समझेंगे-पत्र के अंत में ताई ने लिखा कि कई बार ऐसा लगता है कि ऐसी अधूरी सुविधाओं से अच्छा तो कोई सुविधा ही नहीं होती। उन्होंने महाप्रबंधक से कहा कि वे एक सक्षम अधिकारी हैं और इन शब्दों के पीछे छिपी इंदौरवासियों की पीड़ा और भावना को अवश्य समझेंगे।

पीएम के उद्घाटन वाली सुविधा भी ले ली

ताई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित MEMU सेवा का रैक इंदौर से हटाए जाने पर भी नाराजगी जताई। पत्र में कहा गया कि शहर से आधुनिक MEMU रैक हटाकर उसकी जगह पुराने और बार-बार खराब होने वाले छ्श्वरूरैक चलाए जा रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि इंदौर के यात्रियों को दोयम दर्जे का माना जा रहा है। पुणे-इंदौर ट्रेन लंबे समय से बंद है। पटना और गुवाहाटी ट्रेनों के फेरों में बढ़ोतरी की कोई योजना नहीं है, जबकि त्रिवेंद्रम-इंदौर एक्सप्रेस, जिसकी उपयोगिता 625 प्रतिशत से अधिक है, उसके फेरों में भी वृद्धि नहीं की गई।

भोजशाला पर सुप्रीम कोर्ट में बोली सरकार
नमाज के लिए पास में जगह देने के लिए मनाएंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार ● धार भोजशाला का मुद्दा एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। हाजी मुनीर द्वारा याचिका लगाई गई है। इसमें प्रशासन द्वारा 40 पीर पर जगह देने पर आपत्ति ली गई है। वहीं सरकार की ओर से कहा गया है कि वह पास में जगह देने के लिए प्रशासन को मनाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नमाज पढ़ने के लिए चुनी गई वैकल्पिक जगह, धार में विवादित भोजशाला परिसर से बहुत दूर है। उन्हें दो किमी दूर सर्वे नंबर 664 की 0.145 हेक्टेयर (40 पीर/मलीबाड़ा में) जगह दी गई। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मध्य प्रदेश सरकार की ओर से चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच को बताया कि वह प्रशासन को पास में कोई जगह चुनने के लिए मनाएंगे। पास में कोई जगह चुनने के लिए कहा है, और यह प्रक्रिया चल रही है। याचिका में मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हजेफा अहमदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश थे कि भोजशाला परिसर के पास या सटे हुए जगह पर नमाज के लिए जगह दी जाए। हर शुक्रवार को दोपहर 1 से 3 बजे तक यहां नमाज होगी। लेकिन प्रशासन ने 14 जुलाई के आदेश के बाद भी शुक्रवार 17 जुलाई तक इंतजार किया। लिखित आदेश आने के बाद दोपहर 1 बजे बैठक बुलाई जो 2.40 बजे तक चली। इसमें दूसरे पक्ष ने कलेक्टर से कहा कि वह इन्हें दूर जगह दें। इसके बाद यह जगह दी गई। इसे चलते पहले ही शुक्रवार की नमाज़ नहीं पढ़ पाए हैं। वहीं सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि वैकल्पिक जगह विवादित परिसर से लगभग 900 मीटर दूर है। हालांकि, उन्होंने बेंच से कहा कि वह खुद इस मामले की जांच करेंगे और ज़रूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएंगे।

एसएमवी इन्फ्रा डायरेक्टर ने 2.55 करोड़ के बंधक प्लॉट भी बेच दिए, ईओडब्ल्यू में केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर कलेक्टोरेट से कॉलोनी विकास की मंजूरी लेने के बाद बिल्डर ने बंधक प्लॉट ही बेच डाले थे। इस मामले में अब ईओडब्ल्यू ने देपालपुर की गीता विहार कॉलोनी (एसएमवी इन्फ्रा) के डायरेक्टर पर केस दर्ज किया है। देपालपुर के ग्राम तेजखेड़ी स्थित गीता विहार कॉलोनी बनाने वाली एसएमवी इन्फ्रा के डायरेक्टर पर ईओडब्ल्यू इंदौर ने केस दर्ज किया है। कंपनी ने कलेक्टर के पास बंधक रखे प्लॉट ही बेच डाले। इसकी कीमत ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा है।

एस.एम.वी. इन्फ्रा स्टेट प्रा. लि. के डायरेक्टर सुरेश ठाकुर एवं आम मुख्यारधारी दिनेश मुकाती सहित अन्य व्यक्तियों पर केस हुआ है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 420 एवं 34 भा.द.वि. के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। एस.एम.वी. इन्फ्रा स्टेट प्रा. लि. के डायरेक्टर सुरेश ठाकुर, निवासी 101 फणासे एवेन्यू, सपना संगीता टॉकीज, इंदौर; हाल निवासी महू नीमच रोड, घाटा बिल्लौद चौकी, तहसील देपालपुर, जिला इंदौर के सामने दिनेश जाट, पिता बापूलाल जाट, निवासी ग्राम ताजखेड़ी, तहसील देपालपुर, जिला इंदौर व अन्य। जांच में सामने आया कि एस.एम.वी. इन्फ्रा स्टेट प्रा. लि. के डायरेक्टर सुरेश ठाकुर द्वारा बंधक रखे जाने के बाद 22 नवंबर 2017 को दिनेश मुकाती के पक्ष में 35 भूखंडों का आम मुख्यारनामा निष्पादित किया गया।

इस तरह किया गया फर्जीवाड़ा

ईओडब्ल्यू को शिकायत मिली थी कि ग्राम ताजखेड़ी, तहसील देपालपुर, जिला इंदौर स्थित सर्वे क्रमांक 50/1/2 एवं 51/1/1 की कुल 4.420 हेक्टेयर भूमि पर विकसित गीता विहार कॉलोनी में विकास कार्य पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी फर्जी इंजीनियर प्रमाण-पत्र तैयार कर रेरा में प्रस्तुत किए गए और शासन के पास बंधक रखे गए भूखंडों का विक्रय किया गया। जांच में पाया गया कि कॉलोनी में 70 प्रतिशत विकास कार्य किया गया था, जबकि विद्युत संबंधी कार्य अपूर्ण था। कॉलोनी के विकास के लिए कलेक्टर, इंदौर द्वारा 25 प्रतिशत भूखंड बंधक रखे गए थे।

8 करोड़ की सीसी सड़कों की गुणवत्ता पर उठे सवाल, प्रभारी ने ठेकेदार को लगाई फटकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में लगभग 8 करोड़ रुपए की लागत से बन रही सीमेंट कांक्रीट (सीसी) सड़कों का बुधवार को जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने विभागीय अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर मिली शिकायतों के बाद यह निरीक्षण किया गया। मॉनिटरिंग के निर्देश- राठौर ने विभागीय अधिकारियों से निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में अनियमितता मिलने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ अनुबंध के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री, कंसल्टेंट और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण में मिली खामियां- निरीक्षण के दौरान राठौर ने मुख्य मार्गों और आंतरिक गलियों में चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। जांच में पाया गया कि निर्माण एजेंसी मे. राजीव कुमार गुप्ता द्वारा अनुबंध की शर्तों और निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है। निर्माण सामग्री और कार्यप्रणाली में भी लापरवाही सामने आई।

ठेकेदार को सख्त चेतावनी- गुणवत्ता में कमी मिलने पर जनकार्य प्रभारी ने ठेकेदार एजेंसी को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने तकनीकी मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य सुनिश्चित करने और आवश्यक सुधार तत्काल करने के निर्देश दिए।

भोपाल से अधिक इंदौर में हूटर बजाकर नेतागिरी का शौक!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल/ इंदौर ● गाड़ी पर हूटर लगाकर वीआईपी रुतबा दिखाने का शौक मध्य प्रदेश में खूब सिर चढ़कर बोल रहा है। कोई नेता जैसा दिखना चाहता है तो कोई सड़क पर अलग पहचान बनाना। यही वजह है कि बीते ढाई साल में प्रदेश में अवैध हूटर लगाने पर 1 हजार से अधिक चालान काटे गए हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा क्रेज इंदौर में देखने को मिला, जहां 255 से अधिक लोगों पर कार्रवाई हुई।

भोपाल भी इससे अछूती नहीं रही और यहां 141 चालान कटे। बड़े शहरों के अलावा चंबल अंचल भी वीआईपी रुतबा दिखाने में पीछे नहीं हैं। यहां मुरैना में 100 से अधिक और भिंड में 92 चालान काटे गए हैं। हालांकि श्योपुर में जरुर 10 लोगों पर ही कार्रवाई हुई है। वहीं गाड़ी में अवैध हूटर लगाने पर दतिया में 52 के खिलाफ चालानी कार्रवाई हुई है। 1 जनवरी 2024 से 30 जून 2026 तक के आंकड़े बताते हैं कि अवैध हूटर लगाने पर उज्जैन में 68 चालान काटे गए। दिलचस्प बात यह है कि टीकमगढ़ में ढाई साल में हूटर लगाने के एक भी मामले में चालान नहीं काटा गया।

अवैध हूटर लगाने वालों से वसूले गए चालान का हिसाब भी पूरी तरह दुरुस्त नहीं है। प्रदेश के कई जिलों में चालान की राशि सरकारी खजाने तक पहुंचने से पहले ही 'पेंडिंग' हो गई है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 1 लाख रुपए से अधिक की राशि अब तक शासन के मद में जमा नहीं हो सकी है। देवास में 2024 में दो चालानों से 60 हजार रुपए वसूले जाने की जानकारी दी गई, लेकिन सरकारी खजाने में सिर्फ 30 हजार रुपए ही जमा हुए। इंदौर में वर्ष 2025 के 56 हजार और 2026 के 12 हजार रुपए अब तक जमा नहीं हो पाए हैं। हूटर का उपयोग केवल उन वाहनों में किया जा सकता है, जिन्हें कानून अथवा शासन के आदेश से इसकी अनुमति प्राप्त हो। पुलिस वाहन, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य अधिकृत एमरजेंसी सेवाओं के वाहनों में हूटर लगाया जाता है, ताकि सड़क पर उन्हें प्राथमिकता मिल सके।

अफसरों की बैठक में हुआ मंथन, टेंडर किए जारी
एयरपोर्ट पर नया प्रवेश द्वार बनाने की प्रक्रिया शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयरपोर्ट परिसर में नया प्रवेश द्वार, गेट, और संपर्क मार्ग विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए बुधवार को एक बार फिर अफसरों की बैठक हुई। बैठक में चर्चा में बताया गया कि इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है और निर्माण कार्य अगले चार माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार नया गेट एयरपोर्ट के रनवे की ओर स्थित हिस्से में बनाया जाएगा और इसे रनवे-07 से जोड़ा जाएगा। फिलहाल इसका मुख्य उद्देश्य

आपातकालीन परिस्थितियों में दमकल, एंबुलेंस और अन्य सुरक्षा वाहनों को रनवे तक तेजी से पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध कराना है। हालांकि भविष्य में इस मार्ग का उपयोग बिजासन मंदिर रोड और एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन के बीच नई कनेक्टिविटी के रूप में भी किया जा सकेगा। मल्टीलेवल पार्किंग भी बनाई जाएगी। एयरपोर्ट के सामने बन रहे मेट्रो स्टेशन के शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में यात्री मेट्रो के माध्यम से एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसे देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी अभी से ऐसी आधारभूत सुविधाएं विकसित कर रही है, जिससे एयरपोर्ट और मेट्रो के बीच आवागमन सहज और सुगम हो सके। नया गेट बनने के बाद यात्रियों को भविष्य में अधिक सुविधाजनक और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होने की संभावना है। वर्तमान में एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश और निकास के लिए मुख्य रूप से एक ही गेट का उपयोग किया जाता है। सुबह-शाम और उड़ानों के व्यस्त समय में यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे यात्रियों, टैक्सी संचालकों और निजी वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

फेंसिंग का कार्य पूरा, जल्द शुरू होगा निर्माण

एयरपोर्ट प्रशासन ने प्रस्तावित गेट के स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से तार फेंसिंग का कार्य पहले ही पूरा कर लिया है। अब टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद गेट और संपर्क सडक़ का निर्माण शुरू किया जाएगा। अधिकारियों का दावा है कि लगभग चार माह के भीतर यह परियोजना पूरी कर ली जाएगी।

अकेला निकला दूल्हा...

इंदौर ● इंदौर में आज सुबह करीब 7 बजे गंगवाल से राजमोहल्ला के लिए निकली एक बारात में दूल्हा डीजे के साथ अकेला ही आगे बढ़ता नजर आया। तेज बारिश के कारण बाराती उसके साथ पैदल नहीं चल सके। अधिकांश बाराती बारिश से बचने के लिए वाहनों या सुरक्षित जगहों पर रुक गए।

देपालपुर में एल्डरमैन को लेकर संयम बरकरार
नेताओं के आपसी मतभेद के चलते जिले में अटकती है नियुक्तियां

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

भाजपा में शहर और गांव के नेताओं में हमेशा आपसी खींचतान देखने को मिलती है। संगठन या निगम मंडल की नियुक्तियों को लेकर इंदौर जिले में सबसे ज्यादा घमासान मचा हुआ है। यह दौर भाजपा जिला अध्यक्ष की कुर्सी से चालू हुआ था। जो लगातार बढ़ता ही जा रहा है। गौरतलब है संगठन या निगम मंडल की नियुक्तियों में भाजपा ने हमेशा चौंकाया है। लेकिन पर्दे के पीछे कहीं बड़े राज छुपे हैं। जिले की राजनीति में आपसी मतभेद और खींचतान के कारण गांव और शहर के नेताओं की सहमति नहीं बैठती है। गुटीय राजनीति के कारण पट्ठावाद हमेशा देखने को मिलता है। शहर वाले नेता गांव में ज्यादा दिलचस्प रखते हैं इसलिए ना तो अब तक इंदौर विकास प्राधिकरण को

अध्यक्ष मिला ना युवा मोर्चा में शहर अध्यक्ष ना जिला अध्यक्ष मिले हैं। यही हाल ग्रामीण अंचल में केवल देपालपुर में देखने को मिला जहां एल्डरमैन को लेकर देपालपुर, गौतमपुरा, बेटमा, हातोद होल्ड किया गया यह देपालपुर में चर्चा का विषय बना हुआ है। क्योंकि देपालपुर में कहीं नेता लाबिंग कर रहे हैं अपनी अपनी दुकानदारी जमाने के लिए लेकिन वर्तमान विधायक मनोज पटेल के बिना एल्डरमैन की नियुक्ति होना संभव नहीं है विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि देपालपुर में मनोज पटेल के अलावा दूसरे गुट के नेता भी एल्डरमैन बनने में लगे हैं। लेकिन विधायक के बिना अनुशंसा के संगठन भी नियुक्तियां नहीं करेगा आने वाले समय में विधानसभा चुनाव है। उसी को लेकर संगठन में पड़े खाली पद भरने की कवायद चल रही हैं। देपालपुर में एल्डरमैन से लेकर जन भागीदारी अध्यक्ष को लेकर संयम बरकरार है। जनता और कार्यकर्ता बेचैन दिखाई दे रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि मनोज पटेल कलोता समाज का एल्डरमैन बनवाने के लिए लाबिंग कर रहे हैं। क्योंकि देपालपुर विधानसभा में कलोता समाज के एक लाख से अधिक वोट है जिसका फायदा वह आने वाले समय में लेना चाहते हैं। पहले भी उन्होंने जिला पंचायत में भारत पटेल को उपाध्यक्ष बनवाया था,जिले की राजनीति में उन्होंने नेताओं से स्पष्ट कह दिया था अध्यक्ष किसी का भी हो उपाध्यक्ष देपालपुर से ही होगा अब यह देखना बाकी होगा देपालपुर विधानसभा के एल्डरमैन का सरताज किसके सिर होगा और कब देपालपुर विधानसभा की नियुक्तियों पर मोहर लगेगी।

तीन आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के खाद्यान्न के अवैध संग्रहण, भंडारण एवं क्रय-विक्रय के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। इसी के अंतर्गत जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के खाद्यान्न के अवैध संग्रहण, भंडारण एवं क्रय-विक्रय करने वाले तीन आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत थाना गांधीनगर में प्रकरण दर्ज कराया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी.कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।